RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, गुरुवार ●02 मई , 2024 वर्षः-12 अंक - 4 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

मूसेवाला मर्डर के मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ की मौत

दावा-गैंगस्टर को अमेरिका में गोलियां मारी गईं, डल्ला-लखबीर ने ली जिम्मेदारी

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की अमेरिका में मौत हो गई। एक अमेरिकी न्यूज चैनल ने दावा किया कि अमेरिका के फेयरमोंट और होल्ट एवेन्यू में मंगलवार शाम 5.25 बजे गोल्डी बराड़ को गोलियां मारी गईं। गोल्डी बराड़ अपने एक साथी के साथ घर के बाहर गली में खड़ा था। इसी दौरान कुछ बदमाश आए और गोलियां मारकर भाग गए। एक चैनल को अमेरिकी पुलिस अधिकारी लैसली विलियम्स ने बताया कि 2 व्यक्तियों को अस्पताल में दाखिल करवाया गया था, जिसमें से एक की मौत हो चुकी है। बराड़ के विरोधी गैंगस्टर अर्श डल्ला और लखबीर ने गोल्डी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। दोनों ने दावा किया है कि गोल्डी पर उन्होंने दुश्मनी के चलते गोलियां चलवाई हैं। फिलहाल लॉरेंस या अन्य किसी भी गैंगस्टर की इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। गोल्डी बराड़ पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब का रहने वाला है। उसका जन्म साल 1994 में हुआ, माता पिता ने सतविंदर सिंह नाम रखा था। पिता पुलिस में सब इंस्पेक्टर थे। बेटे को भी पढ़ा लिखा कर काबिल बनना चाहते थे, लेकिन सतविंदर उर्फ गोल्डी ने तो अपनी अलग ही राह चुन ली थी।

दिल्ली-एनसीआर के 100 स्कूलों में बम होने की धमकी

- रूस के सर्वर से भेजा गया ई-मेल; बम स्क्वॉड-पुलिस टीमें पहुंचीं, स्कूलों को खाली कराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार की सुबह दिल्ली-नोएडा के स्कूलों के लिए अच्छी नहीं रही। स्कूलों में बच्चों तथा टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ के पहुंचने से पहले किसी ने ईमेल भेजकर कैंपस को बम से उड़ाने की धमकी दे दी। इससे हर तरफ दहशत वाली स्थिति बन गई। मैनेजमेंट ने इसकी सूचना पुलिस-प्रशासन को दी तो कुछ देर में पुलिस और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और गहन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि स्कूलों को धमकी भरा ईमेल रूस से भेजा गया है। दूसरी तरफ जिन स्कूलों को बम की धमकी भरा मेल मिला है, उसमें खौफनाक बातें लिखी हुई हैं। मेल भेजने वाले ने लिखा है, हमारे दिल में जिहाद की आग है। हमारे हाथों में जो लोहा है वह हमारे दिलों को गले लगाता है, इंशाअल्लाह,हम उसे हवा के माध्यम से भेजेंगे।

संक्षिप्त समाचार

जांच रिपोर्ट

कोचिंग में पढ़ने वाले गिरोह ने देशभर में करवाई नकल

कोटा (एजेंसी)। कोस्ट गार्ड एनरोल्ड पर्सनल टेस्ट का पेपर लीक और सॉल्व करवाने वाले गिरोह से पूछताछ में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। मंगलवार को पकड़े गए सभी 6 युवक खुद शेखावाटी (झुंझुनूं) के कोचिंग में पढ़ते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। इस गैंग ने कंप्यूटर लैब में बैठकर पेपर सॉल्व किए। इसके लिए इन्होंने परीक्षा सेंटर के सभी कंप्यूटरों में एक खास ऐप इंस्टॉल किया, ताकि कंप्यूटर को रिमोट (कहीं से भी संबंधित कंप्यूटर को ऑपरेट किया जा सकता है) पर लिया जा सके। जांच अधिकारी एडीशनल एसपी महिला अपराध अनुसंधान प्रकोष्ठ नियति शर्मा ने बताया- स्टूडेंट को झांसे में लेकर पेपर सॉल्व करवाने

की एवज में 15 लाख रुपए में डील की थी। इसके लिए प्री-प्लान तरीके से कोटा आकर आईटी पार्क स्थित राजीव गांधी कंप्यूटर साक्षरता मिशन की लैब को किराए पर लिया था। मामले में लैब संचालक की भूमिका भी संदिग्ध है। जांच के लिए एसआईटी गठित की है। कोटा के विज्ञान नगर थाना पुलिस ने अशोक जाट (38) निवासी बांगड़वा थाना हमीरवास तहसील राजगढ़ (चूरू) और संदीप बुडालिया (29) बरालू, थाना लोहारू, भिवानी (हरियाणा) थे। इनके अलावा प्रतीक गजराज (24) रणवीर सिंह (32) निवासी काटधनोरी को पकड़ा था।

फिलीपींस में पानी के नीचे से निकला 300 साल पुराना शहर

मनीला (एजेंसी)। फिलीपींस में इस समय भीषण गर्मी का कहर देखा जा रहा है। गर्मी कितनी खतरनाक है उसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि यहां के बांध भी सूखने लगे हैं। फिलिपींस के एक प्रमुख बांध का पानी सूखने के कारण 300 साल पुरानी बस्ती एक बार फिर उभर आई हैं। राष्ट्रीय सिंचाई प्रशासन के पर्यवेक्षक इंजीनियर मार्लोन पलाडिन ने कहा कि कई महीनों तक बारिश नहीं हुई है। इस कारण मार्च में नुएवा एसिजा प्रांत में पेंटाबांगन बांध का पानी सूखने लगा।

इस कारण अब एक चर्च, मकबरा और इक कस्बे का हॉल समेत प्रमुख संरचनाएं दिखाई देने लगी हैं। इस कस्बे का नाम पेंटाबंगन है। 1970 के दशक में जब बांध बनाया गया तो यह जलाशय के कारण पानी के नीचे जूब गया लेकिन इस समय देश के लगभग आधा हिस्से सूखे की चपेट में है। इस कारण बांध का जल स्तर भी नीचे हो गया। फिलीपींस सरकार की मौसम एजेंसी के आकड़ों के मुताबिक 30 अप्रैल को यह स्तर सामान्य से 50 मीटर कम था। पलाडिन ने आगे कहा, बांध बनने के बाद यह छठी बार है जब यह शहर एक बार फिर दिखने लगा है। लेकिन इस बार यह सबसे लंबे समय तक दिख रहा है। यह वीरान शहर एक टूरिस्ट स्पॉट बन जाता है।

वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने ईसी ने चलाया 'चलें बूथ की ओर' कैम्पेन

- सीईओ वोले-वोटर लिस्ट में नाम हो तो कोई ऐसा सरकारी कागज लेकर जाएं जिसमें आपका फोटो हो

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा है कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची में है, उनके लिए यह सूचना है कि कोई भी एक ऐसा सरकारी कागज लेकर जाइए जिसमें आपका फोटो हो। मतदान केंद्रों में ऐसा इंतजाम किया गया है कि बहुत देर तक इंतजार न करना पड़े। पोलिंग सेंटर में एक्स्ट्रा स्टाफ लगाया गया है ताकि जल्द मतदान कराया जा सके। सीईओ राजन बुधवार को सात मई को नौ लोकसभा सीट पर होने वाले मतदान के लिए चलें बूथ की ओर अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए सीहोर जिले के एक मतदान केंद्र पर पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि स्थानीय जनों द्वारा जितना अच्छा स्वागत सत्कार किया गया, वह उत्साह और उमंग मतदान के दिन वोट डालने के लिए भी बनी रहनी चाहिए। राजन ने कहा कि सभी ध्यान रखें कि जिस तरह का उत्साह और उमंग देखने को मिली वैसी ही मतदान के दिन भी रहे।

राजधानी में नामी स्कूल के हॉस्टल में 8 साल की बच्ची से रेप

मां को सुनाई पीड़ा, सीएम ने गठित की एसआईटी, बाल आयोग की टीम स्कूल पहुंची

भोपाल। भोपाल के मिसरोद थाना क्षेत्र में दूसरी कक्षा की 8 साल की बच्ची के साथ एक निजी बोर्डिंग स्कूल के हॉस्टल में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बच्ची को दाल-चावल में कुछ नशीला पदार्थ खिलाया गया, जिससे वह बेसुध हो गई। होश आया तो एक व्यक्ति उसके साथ गलत काम कर रहा था, जबकि एक अन्य व्यक्ति पास में ही खड़ा था। घटना चार से पांच दिन पुरानी बताई जा रही है। बच्ची 15 दिन पहले ही हॉस्टल में आई थी। मंगलवार रात पुलिस ने धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर की है। हॉस्टल वार्डन समेत तीन लोगों को आरोपी बनाया गया है। इधर, स्कूल संचालिका ने सभी आरोप बेबुनियाद बताए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एसआईटी गठित कर जांच के आदेश दिए हैं। यह मिसरोद सीएसपी रजनीश कश्यप की अध्यक्षता में काम करेगी। मिसरोद थाना प्रभारी मनीष राज सिंह भदौरिया और एसआई श्वेता शर्मा इसके सदस्य हैं। वहीं, राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिकार आयोग ने भोपाल पुलिस को नोटिस जारी कर घटना पर 5 दिन में जवाब मांगा है। आयोग की टीम जांच करने स्कूल भी पहुंची। बच्ची की मां का आरोप है कि मिसरोद थाने के एसआई प्रकाश राजपूत ने हॉस्पिटल में शिकायत दर्ज न करने का दबाव बनाया था। श्वेता शर्मा का कहना है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मिसरोद पुलिस के मुताबिक बच्ची के पेरेंट्स ने 15 दिन पहले ही हॉस्टल में दाखिला कराया है।

मां ने कहा- वीडियो कॉल पर बोली कि उसे ब्लीडिंग हुई

बच्ची की मां ने बताया कि पिछले रविवार को वह बच्ची को हॉस्टल से बाहर घुमाने लाई थीं। हर रविवार को ही परिजन बच्चों से मिल सकते हैं। इस रविवार को बच्ची से फोन पर बात की तो वह रोने लगी। वीडियो कॉल पर बोली, उसे ब्लीडिंग हुई है। जब मैंने कुछ पूछा तो वार्डन ने फोन कट कर दिया। मैं तुरंत सोमवार को इंदौर से स्कूल पहुंची। फिर बच्ची को लेकर जेपी अस्पताल गई, जहां चेकअप के बाद डॉक्टर ने बताया कि बच्ची के प्राइवेट पार्ट में सूजन और ब्लीडिंग हुई है।

बच्ची की मां ने बताया, मैं बेटी से मिली तो वह लिपटकर रोने लगी। उसे बाहर लेकर आई। उसने कार में बताया कि चार-पांच दिन पहले शाम को उसने दाल-चावल खाए थे। बाद में हॉस्टल की वार्डन ने उसे दोबारा दाल-चावल खिलाए थे। उसे उस रूम में ले जाकर खिलाया गया, जो अभी रहने के लिए चालू भी नहीं हुआ है। रात में जब नींद खुली तो वह अपने कमरे और बिस्तर पर नहीं थी। एक मोटे से दाढ़ी वाले अंकल उसके साथ गलत काम कर रहे थे। पास में खड़े अंकल बोल रहे थे कि मोदी सर, बच्ची को होश आ गया है। अंकल ने दो-तीन बार बोला। इसके बाद मेरी आंख पर हाथ रख दिया। मेरे पेट में दर्द हो रहा था और प्राइवेट पार्ट से ब्लड आ रहा था। बच्ची फिर से बेहोश हो गई। बच्ची को सुबह होश आया तब वो अपने पलंग पर सो रही थी। उसने होश में आने के बाद वार्डन से कहा कि मेरे पेट में पेन हो रहा है। उन्होंने बच्ची को नहलाया-धुलाया। बेटी ने मुझसे बात करने की जिद की तो उससे कहा स्कूल जाओ, वहां से आने के बाद बात करा देंगे।

पीसीसी चीफ, नेता प्रतिपक्ष के बीजेपी में जाने की अफवाह

पटवारी बोले-मंत्री राजपूत बेहोश हैं, सिंघार ने कहा-नशेड़ी बीजेपी वालों ने भांग खा ली

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के भाजपा जॉइन करने की अफवाह उड़ी। जिसके बाद दोनों ही नेताओं ने इस खबर को बेबुनियाद बताया और अफवाह फैला रहे भाजपा नेताओं को जमकर खरी-खोटी सुनाई। कांग्रेस के दोनों ही नेताओं ने उनके भाजपा में आने की बातें कह रहे नेताओं को नशेड़ी, भांग खाने वाला और गर्मी के कारण उनका दिमाग सटक गया कह दिया। दरअसल, मंगलवार को सागर में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने दावा करते हुए कहा था- हो सकता है कि 7 मई के बाद जीतू पटवारी भी बीजेपी में आ जाएं। मंत्री राजपूत के इस बयान पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भोपाल में मीडिया से चर्चा की और अफवाहों का खंडन किया। बता दें कि इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी रहे अक्षय कांति बम के भाजपा में शामिल होने के एक दिन बाद कांग्रेस के सीनियर विधायक रामनिवास रावत ने भी बीजेपी के हो गए। दो दिन में कांग्रेस को लगे दो बड़े झटकों के बाद कांग्रेस के सीनियर लीडर टेंशन में हैं। सागर की एक सभा में कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा- जिस तरह से कांग्रेसियों का भाजपा में आना लगा है। हमें लग रहा है कि 7 तारीख तक जीतू पटवारी भी भाजपा में आ सकते हैं। सागर में ही चुनावी सभा में मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा, मेरे राजनीतिक जीवन में पहली बार ऐसा देख रहा हूं। लोकसभा का प्रत्याशी भी अपना नामांकन वापस ले रहे हैं। कांग्रेस को छोड़ रहे हैं और भाजपा में आ रहे हैं। इंदौर में ऐसा हुआ है। कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम पूर्णतः जीतू पटवारी के प्रत्याशी थे। मंत्री राजपूत ने कहा- मैंने तो ये भी सुना है कि कांग्रेस के कई लोगों ने मना किया था कि इसको टिकट मत दो। लेकिन, जीतू पटवारी ने अपनी जिद पर टिकट दिलाया था। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने वालों पर जीतू पटवारी हमेशा आरोप लगाते है कि ये बिक गया।

शाह बोले-कांग्रेस पार्टी को सिर्फ वोट बैंक से मतलब

- कोरबा में कहा-रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दुत्कार दिया, इनका एक मंत्र बार-बार झूठ बोलो

कोरबा (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के कोरबा में हुई जनसभा में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति करनी है। उसे सिर्फ मॉइनोरिटी से मतलब है। उन्हें रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन उन्होंने दुत्कार दिया। शाह ने कहा कि कांग्रेस का सिर्फ एक ही मंत्र है, झूठ बोलो, बार-बार बोलो। अब कहती है कि मोदी जी प्रधानमंत्री बनेंगे तो आरक्षण खत्म कर देंगे। 10 साल पूर्ण बहुमत की सरकार थी, खत्म की धारा-370, आतंकवाद और नक्सलवाद। जब तक भाजपा का एक भी सांसद है आरक्षण खत्म नहीं होने देगा। कोरबा लोकसभा की 8 विधानसभा सीटों में से 6 पर बीजेपी के विधायक हैं। मनेंद्रगढ़, भरतपुर-सोनहत, बैकुंठपुर, मरवाही में बीजेपी का कब्जा होने के बाद भी यहां के कार्यकर्ता बिखरे हुए हैं। वहीं, रामपुर और पाली-तानाखार में बीजेपी की स्थिति पहले से ही कमजोर है।

हिमाचल में कांग्रेस कैंडीडेट के खिलाफ धरती पुत्र का नारा

- परमार बोले-17 विधानसभा में नहीं मिला कोई नेता, ब्राह्मण उम्मीदवार का निकाला तोड़

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल की कांगड़ा लोकसभा सीट पर कांग्रेस हाईकमान ने बीजेपी के ब्राह्मण प्रत्याशी का तोड़ आनंद शर्मा को मैदान में उतारकर निकाला है। कांगड़ा संसदीय हलके से कांग्रेस ने शिमला से संबंध रखने वाले आनंद शर्मा को प्रत्याशी बनाया है, जबकि बीजेपी ने लोकल नेता राजीव भारद्वाज को टिकट दे रखा है। अब दो ब्राह्मण नेताओं में टक्कर है। यह पता चार जून को चलेगा कि कांगड़ा के लोकल ब्राह्मण नेता का पलड़ा भारी रहता है या फिर आनंद शर्मा को जनता लोकसभा में भेजती है। कांग्रेस-भाजपा नेताओं की माने तो कांगड़ा में लगभग 24 प्रतिशत ब्राह्मण वोट है। इस पर सेंध लगाने के लिए बीजेपी के बाद कांग्रेस ने भी ब्राह्मण नेता पर दांव चला है। हालांकि पूर्व में कांग्रेस कांगड़ा से सीटिंग एमएलए आरएस बाली को चुनाव मैदान में उतारना चाह रही थी। मगर वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं थे। आरएस बाली ने कांग्रेस हाईकमान को भी एक भी पत्र भेजा था, जिसमें कहा गया कि सर्वे में उनका नाम आगे बताया जा रहा है। वह विधायक के तौर पर नगरोटा बगवां की जनता की सेवा करना चाहते हैं। यदि उन्हें टिकट दिया गया तो उनकी भी राय ली जाए। आरएस बाली को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी मनाने की कोशिश की। मगर बाली नहीं माने। आखिर में कांग्रेस हाईकमान ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा को प्रत्याशी बनाने का फैसला लिया। अब नतीजे चाहे जो भी हो। मगर बीजेपी को लगे हाथ एक मुद्दा मिल गया है।

केरल में हीटस्ट्रोक से 4 मौतें, हाल हो रहा बेहाल

● बिहार-झारखंड में दो दिन तक हीटवेव का रेड अलर्ट ● प.बंगाल में तापमान 47.2,एमपी में लू से राहत रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में तेज गर्मी का असर लगातार बढ़ते जा रहा है। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड, गुजरात और ओडिशा में 2 दिन के लिए सीवियर हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। वहीं, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में भी आज लू चलने की संभावना जताई गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केरल में तेज गर्मी और हीटस्ट्रोक के कारण 4 लोगों की मौत हो गई है। केरल की हेल्थ मिनिस्टर ने स्थिति को लेकर हाईलेवल मीटिंग बुलाई है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा में मंगलवार को तापमान 47.2 डिग्री दर्ज किया गया है। ये सामान्य से 10.4 डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग ने कहा कि ओडिशा, झारखंड, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में आज तापमान 43 डिग्री या उससे ज्यादा पहुंच सकता है। गुजरात के अलावा इन सभी राज्यों में मई के पूरे महीने में हीटवेव का असर देखने को मिलेगा। हालांकि, मध्य प्रदेश में लू से काफी हद तक राहत रहेगी। तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, असम और त्रिपुरा में उमस भरी गर्मी का भी अनुमान जताया गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश का अनुमान है। कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में उमस भरे मौसम के साथ गर्मी पड़ेगी। पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, गुजरात, आंध्र प्रदेश में सीवियर हीटवेव का अलर्ट है। झारखंड, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु में हीटवेव के आसार हैं। नगालैंड और मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल और हिमाचल प्रदेश में चमक के साथ तेज हवा चलने का अनुमान है। गुजरात और आंध्र प्रदेश में सीवियर हीटवेव चलेगी। पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा में भी लू चलेगी। मध्यप्रदेश औरकर्नाटक में रात के समय मौसम गर्म बना रहेगा। उमस भी रहेगी। आईएमडी की साइंटिस्ट सोमा सेन रॉय ने कहा- उत्तर भारत के राज्यों में आंधी-तूफान की स्थिति बन रही है। अफगानिस्तान की ओर से एक्टिव हुए वेस्टर्न डिस्टरबेंस के भारत पर असर पड़ने के कारण जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में 1 हफ्ते तक हीटवेव चलने की संभावना कम है।

रायसेन में नगर पालिका द्वारा निकाली गई जागरूकता रैली घर-घर पीले चावल देकर मतदाताओं को मतदान के लिए किया आमंत्रित

रायसेन (निप्र)। जिले में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 में अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रायसेन नगर के वार्ड क्र.01 में नगर पालिका परिषद द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में सीएमओ रायसेन सुश्री सुरेखा जाटव सहित नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शामिल हुईं। इसके उपरांत सीएमओ सहित नगर पालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा डोर टू डोर जाकर मतदाताओं को पीले चावल तथा आमंत्रण पत्र देकर 07 मई 2024 को मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान करने के लिए आमंत्रित किया गया।

पूरी लगन और मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करें मतदान दल- जिला निर्वाचन अधिकारी

शास. वीर सावरकर कॉलेज में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दलों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी लोकसभा आम निर्वाचन-2024 कार्यक्रम अनुसार लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 18-विदिशा में शामिल जिले के सांची, सिलवानी तथा भोजपुर विधानसभा में तृतीय चरण 07 मई को मतदान सम्पन्न होना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे द्वारा क्षेत्रों भ्रमण कर लोकसभा निर्वाचन स्वतंत्र, निष्पक्ष, सुचितापूर्ण सम्पन्न कराने के लिए की जा रही कार्यवाहियों, गतिविधियों का सतत् निरीक्षण किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे द्वारा मंगलवार को भोजपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय वीर सावरकर महाविद्यालय में मतदान दलों को दिए जा रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री विकास शहवाल भी साथ रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मतदानकर्मियों से कहा कि मतदान प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण रूप से सम्पन्न कराने में मतदान दलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए सभी पूरे मनोयोग और लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करें। प्रशिक्षणार्थी निर्वाचन प्रक्रियाओं की बारीकियों को समझें। निर्वाचन संबंधी सभी जिज्ञासाओं का मास्टर ट्रेनर्स से समाधान प्राप्त करें। यदि कोई जानकारी समझ में नही आती है तो निःसकोच प्रश्न पूछकर उसका समाधान प्राप्त करें। कलेक्टर श्री दुबे ने मतदानकर्मियों से कहा कि वे सम्पूर्ण प्रशिक्षण प्रक्रिया को गंभीरता से लें। निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक बिन्दु के संबंध में लिखित निर्देश जारी किए गए है जिसका अध्ययन कर शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराया जाना है। सभी को मतदान के पूर्व की तैयारियों से लेकर मतदान दिवस तथा मतदान का समय समाप्त होने के पश्चात एवं मत लेखा तैयार करने की प्रक्रिया का पूर्णतः ज्ञान होना आवश्यक है। मतदान दल में शामिल सभी शासकीय सेवक ईवीएम की कार्यप्रणाली तथा संचालन का समुचित प्रशिक्षण लेने के साथ ही पर्याप्त अभ्यास कर लें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदानकर्मियों को उनके कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व, मतदान केंद्र पर एक दिन पूर्व की जाने वाली कार्यवाही, मतदान के पूर्व की तैयारी एवं मॉकपोल, मॉकपोल का क्रम, मॉकपोल के दौरान मशीनों का परिवर्तन, मॉकपोल के पश्चात मशीनों की सीलिंग, वास्तविक मतदान प्रारंभ, मतदान केन्द्र में प्रवेश हेतु अनुमत्त व्यक्ति, मतदान केंद्र पर मतदाताओं के प्रवेश का विनिमय, मतदान केंद्र और आस पास निर्वाचन विधि का प्रवर्तन, मतदान प्रक्रिया, मतदान कें दौरान की विशेष स्थितियां, बैटरी का विस्थापन, मतदान समाप्ति पर कार्यवाही, निर्वाचन अभिलेख तैयार करना एवं पैकिंग, बुकलेट प्रपत्र आदि के बारे में प्रशिक्षण दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

वृद्धजनों ने घर से ही किया मतदान

हरदा (निप्र)। आगामी 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान संपन्न होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आदित्य सिंह ने बताया कि आयोग द्वारा अतिवृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन के लिए 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं व दिव्यांग मतदाताओं को उनके घर से ही मतदान करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आयोग के निर्देश के पालन में हरदा जिले में सोमवार को मतदान दलों ने पूर्व से चिन्हित दिव्यांग व अतिवृद्ध मतदाताओं के घर जाकर उनसे मतदान कराया।

कलेक्टर सिंह ने उपार्जन कार्यों की समीक्षा की

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में गेहूँ, चना व सरसों के उपार्जन की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम, सहकारिता, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, वेयर हाउस कार्पोरेशन तथा कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि किसानों की फसल का उपार्जन कर उसका भुगतान समय पर किसानों के खाते में जमा कराया जाए। उन्होने कहा कि शासन के निर्देश अनुसार केवल किसान ही अपनी फसल का उपार्जन कर सकें और उपार्जन की सुविधा का व्यापारी लाभ न उठा सकें, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए वहां आने वाले किसानों के लिये शेड और पेयजल की बेहतर व्यवस्था रखी जाए।

मतदान के पहले मतदाता की दाढ़ी भी बनाएंगे, कुर्सीदाता जो है

विदिशा (निप्र)। भाजपा विधायक मुकेश टंडन ने अपने मतदाता का मन रखने के लिए, उसकी दाढ़ी बनाई। विधायक का दाढ़ी बनाते हुए फोटो जमकर वायरल हो रहा है। विदिशा लोकसभा सीट के चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने एक मतदाता की दाढ़ी बनाई है। फोटो भी खिंचवाई। मतदाता के मतपत्र की जब तक कीमत है। जब तक उसका वोट वैलेट बॉक्स में नहीं जाता है। उसके बाद मतदाता को कोई पहचानता भी नहीं है। सोशल मीडिया पर जनता सुझाव दे रही है, इलाके की समस्याओं पर भी ऐसे ही उस्तरा चलाना विधायक जी।

पीले चावल व मतदाता पर्ची देकर कर रहे हैं 7 मई को मतदान की अपील

हरदा (निप्र)। आगामी 7 मई को लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदान संपन्न होगा। इससे पूर्व मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के मतदान के लिए बी.एल.ओ द्वारा मतदाताओं के घर-घर जाकर पीले चावल देकर 7 मई को मतदान केन्द्र पर जाकर मतदान करने के लिये समझाईश दी जा रही है। उन्होने बताया कि जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों हरदा एवं टिमरनी के सभी मतदान केन्द्रों के बी.एल.ओ. अपने मतदान केन्द्र के मतदाताओं को मतदाता पर्ची का वितरण भी घर-घर जाकर कर रहे हैं ताकि मतदान के दिन मतदाताओं को परेशान न होना पड़े।

तीन आरोपी 6-6 माह के लिये जिला बदर

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य सिंह ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर 3 आरोपियों को 6-6 माह के लिये जिला बदर करने के आदेश जारी किये है। जारी आदेश अनुसार आरोपी लक्ष्मण पिता सुरेश कतिया निवासी प्रज्ञा नगर हरदा, अंकित पिता रामभरोस प्रजापति निवासी पुराना बस स्टेण्ड सिराली तथा अमन पिता अनोखीलाल कुशवाह निवासी सिराली को 6-6 माह के लिये जिला बदर किया गया है। इस अवधि में ये आरोपी हरदा जिले के साथ-साथ पड़ोसी जिलों नर्मदापुरम, देवास, खंडवा, सीहोर और बैतूल जिलों की सीमा में भी प्रवेश नहीं कर सकेंगे।

कलेक्टर, एसपी ने 88 वर्षीय वयोवृद्ध महिला मतदाता के घर पहुंचकर कराई होम वोटिंग

ईसीआई की होम वोटिंग सुविधा प्रक्रिया हुई आसान, मतदान प्रक्रिया हुई सुगम

विदिशा (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग की होम वोटिंग सुविधा प्रक्रिया आसान हुई है जिससे मतदान प्रक्रिया सुगम हो गई है। आयोग की मंशा अनुरूप कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन में आज से होम वोटिंग प्रक्रिया शुरू हुई है जो एक मई तक जारी रहेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य एवं पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने आज स्वंय विदिशा संसदीय क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लश्करपुर में पहुंचकर 88 वर्षीय वयोवृद्ध महिला मतदाता श्रीमती श्यामबाई गुर्जर को होम वोटिंग कराई है। होम वोटिंग सुविधा से वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती गुर्जर ने सुगमतापूर्वक मतदान किया है मतदान दल के द्वारा मतदाता के घर पहुंचकर मतदान केंद्र की तर्ज पर तमाम प्रबंध सुनिश्चित करते हुए वोट करने की सुविधा मुहैया कराई गई थी।

कलेक्टर श्री वैद्य ने वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती श्यामबाई गुर्जर के घर पहुंचकर सबसे पहले उनका फूल माला से स्वागत किया और अपना परिचय देते हुए आने के उद्धेश्य को रेखांकित किया है। हास्यात्मक वातावरण में मतदाता श्रीमती गुर्जर ने कहा कि मैं कलेक्टर से बडी हूँ। कलेक्टर ने भी उम्र का तकाजा देखते हुए मतदाता का बडा होना स्वीकार करते हुए दोनो हाथ जोड़कर अभिवादन किया। वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती गुर्जर ने दोनो हाथो से आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं

अभिव्यक्त की है। गौरतलब हो कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशो अनुसार विदिशा जिले में भी दिव्यांग एवं 85 प्लस आयु वर्ग के मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विदिशा जिले में निर्धारित प्रपत्रो में जानकारी दर्ज कर दिव्यांग और 85 प्लस आयु वर्ग के कुल 306 मतदाताओं को होम वोटिंग सुविधा मुहैया कराई जा रही है। इस दौरान विदिशा एसडीएम एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर श्री क्षितिज शर्मा, जनपद सीईओ श्री प्रमोद कुमार खरे समेत अन्य विभागों के अधिकारी एवं मतदान दल मौजूद रहा।

दिव्यांग व वरिष्ठ मतदाताओं ने सुगमतापूर्वक किया मतदान

होम वोटिंग सुविधा से जिले की पांचो विधानसभाओं में दिव्यांग व 85 प्लस आयुवर्ग के वरिष्ठ मतदाताओं ने सुगमता से मतदान किया है। आज मंगललवार को जिले की विदिशा विधानसभा क्षेत्र की 89 वर्षीय मतदाता श्रीमती मेवाबाई, ग्राम सुआखेड़ी निवासी 99 वर्षीय मतदाता श्रीमती हंसोबाई तथा विदिशा नगरीय क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 18 टीलाखेड़ी के दिव्यांग मतदाता 37 वर्षीय श्री आलोक श्रीवास्तव ने होम वोटिंग सुविधा से सुगमता पूर्वक मतदान किया है। इसके अलावा शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग मतदाता शीलाबाई एवं शमशाबाद के ही ग्राम जोहद 88 वर्षीय वयोवृद्ध मतदाता श्रीमती पानबाई एवं वरिष्ठ मतदाता श्री राम सिंह के साथ-साथ जिले के अन्य दिव्यांग व 85 प्लस मतदाताओं ने होम वोटिंग सुविधा से घर पर ही मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व में सहभागिता निभाई है।

सेमरीहरचंद पुलिस चौकी की शिकायत, दुकानदार से अभद्रता, मारपीट के आरोप

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर थाना की सेमरी हरचंद पुलिस चौकी प्रभारी आकाशदीप पर दुकानदार से अभद्र व मारपीट के आरोप लगे। आज सोमवार को दुकानदार और व्यापारी संघ ने सोहागपुर एसडीओपी कार्यालय पहुंचकर सेमरी हरचंद चौकी प्रभारी की शिकायत की। जिसमें आरोप लगाए कि चौकी प्रभारी ने दुकानदार से गाली-गलौच कर अभद्रता और मारपीट की। व्यापारी संघ द्वारा दिए ज्ञापन में चेतावनी दी कि संबंधी चौकी प्रभारी पर कारवाई नहीं होती है तो व्यापारियों द्वारा बाजार बंद रखा जाएगा। दुकानदार दीपकराज सूर्यवंशी ने बताया उनकी बेकरी और आइसक्रीम की दुकान है। रविवार रात को मैं और मेरा छोटा भाई था। रात 10.30 बजे चौकी प्रभारी आकाशदीप बिना वर्दी के प्राइवेट गाड़ी से दुकान पर आएं। उनके साथ में दीपक पारासर और डायल 100 द्मद्द पायलट पुरुषोत्तम तोमर थे। चौकी प्रभारी ने मुझे कहा आचार संहिता लागू है। तुम्हें समझ नहीं आता, जल्दी दुकान बंद करनी चाहिए। ये कहते हुए मुझे गालियां दी। तुझे जेल भिजवा दूँगा। मैंने विरोध किया तो मेरे से मारपीट की। मुझे वाहन में बैठाने की कोशिस की। इसे लेकर दुकानदार दीपकराज ने शिकायत की। व्यापारी संघ अध्यक्ष विवेक मालवीय ने भी संघ की तरफ से ज्ञापन देकर कारवाई की मांग की। एसडीओपी संजू चौहान ने बताया दुकानदार और व्यापारी संघ द्वारा चौकी प्रभारी की शिकायत की है। उन्होंने चौकी प्रभारी पर अभद्रता और मारपीट के आरोप लगाएं है। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जांच कराई जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर कारवाई करेंगे।

जनपद स्तर पर बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप की कार्यशाला सम्पन्न

विभिन्न स्वीप गतिविधियां आयोजित कर मतदाताओं को मतदान के लिए किए जाएगा प्रेरित

रायसेन (निप्र)। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 अंतर्गत लोकसभा क्षेत्र विदिशा में शामिल जिले के सांची, सिलवानी और भोजपुर विधानसभा में 07 मई को मतदान सम्पन्न कराना है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग करने हेतु प्रेरित करने के लिए बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप गठित किए गए हैं। मंगलवार को गैरतगंज, सिलवानी, औबेदुल्लागंज सहित अन्य जनपद पंचायतों में बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप की कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें एसडीएम तथा जनपद सीईओ द्वारा ग्रुप के सदस्य बीएलओ, शिक्षकों, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता तथा स्व-सहायता समूहों की सदस्यों आदि को 01 मई से 06 मई तक स्वीप गतिविधियां आयोजित किए जाने के बारे में दिशा-निर्देश दिए।

कार्यशाला में बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप के सदस्यों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने मतदान केन्द्रों में शत-प्रतिशत मतदान कराने हेतु प्रयास करें। बूथ अवेयरनेस ग्रुप के सदस्य डोर टू डोर जाकर मतदाताओं को मतदान का महत्व बताते हुए 07 मई को मतदान करने के लिए

प्रेरित करें। एक-एक मतदाता को मतदान केन्द्र तक लाकर मतदान कराना है। कार्यशाला में बीएलओ को निर्देशित किया गया कि सभी मतदाताओं को मतदाता पर्ची का वितरण करते समय बताएं कि मतदान के दिवस मतदाता पर्ची के साथ वोटर आईडी, आधार कार्ड या अन्य फोटोयुक्त पहचान पत्र जरूर साथ लाएं। कार्यशाला में जानकारी दी गई कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरस्कृत तथा सम्मानित भी किया जाएगा।

गांव के नागरिक ठान लें तो हंड्रेड प्रतिशत मतदान कोई बड़ी बात नहीं : कलेक्टर वैद्य

विदिशा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन 2024 में जिले में शत-प्रतिशत मतदान की कवायद में आज ग्राम पंचायत हांसुआ (कछवा) के ग्रामीण जनों को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने ग्रामीणों को मतदान के महत्वों से अवगत कराया है। गांव के सभी वोटर इस बार लोकसभा निर्वाचन में हंड्रेड प्रतिशत मतदान करें का संदेश गांव में घर-घर पहुंचे इसके लिए कलेक्टर श्री वैद्य ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हांसुआ कछवा में आयोजित पालक शिक्षक मीटिंग के दौरान उपस्थित ग्रामीण जनों, पालकों व स्कूली छात्र-छात्राओं से कहा कि यदि गांव के नागरिक ठान लें तो हंड्रेड प्रतिशत मतदान कोई बड़ी बात नहीं है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने स्कूली छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके विद्यालय में विद्यार्थियों के किसी एक विषय में 100 नंबर आ सकते हैं तो हंड्रेड प्रतिशत मतदान करने में छात्र-छात्राएं भी अहम भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं यदि इस बार हंड्रेड प्रतिशत मतदान कराएंगे तो गांव का मान बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि गांव में जो मतदाता हैं उनकी सूची बनाइए और उन्हें ढूंढिए कि कौन कहां निवास करता है गांव के प्रत्येक मतदाता से डोर-टू-डोर संपर्क कर उन्हें अपने अधिकारों से अवगत कराएं और बताएं कि मतदान करना कितना महत्वपूर्ण है गांव को एक ऐसे मॉडल के रूप में विकसित करें और दिखा दें कि गांव के लोग हंड्रेड प्रतिशत जागरूक हैं और गांव का प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारों के प्रति सजग है।

स्वीप गतिविधि के क्रम में विदिशा करेगा शत प्रतिशत मतदान थीम पर आयोजित किये जा रहे मेगा इवेंट्स मिशन 10 डेज के तहत ग्राम पंचायत हांसुआ कछवा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पालक शिक्षक मीटिंग का आयोजन हुआ था। जिसमें जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट ने भी गांव का प्रत्येक मतदाता आगामी 7 मई को मतदान अवश्य करें का संदेश दिया है। पालक शिक्षक मीटिंग के दौरान सभी ने मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन भी किया जिसे कलेक्टर श्री वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर भरसट समेत अन्य अधिकारीगण, ग्रामीण जनों, पालकों व विद्यार्थियों ने दोहराते हुए लोकसभा निर्वाचन में मतदान अवश्य करेंगे का संकल्प लिया है। कलेक्टर श्री वैद्य एवं जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर भरसट ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हांसुआ (कछवा) के स्मार्ट क्लासरूम कक्ष में संचालित शिक्षा व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

कुर्सी दौड़ एवं 100 मीटर रनिंग प्रतियोगिता

स्वीप एक्टिविटी के तहत आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हांसुआ (कछवा) परिसर में ग्रामीण महिलाओं के मध्य कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें ग्रामीण महिलाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की है। कलेक्टर श्री बुद्धेश कुमार वैद्य, जिला पंचायत सीईओ डॉक्टर योगेश भरसट ने कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता की प्रशंसा भी की। कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में गांव की ही मैमबाई ने जीत अर्जित की। इसके साथ ही ग्रामीण पुरूष वर्ग के मध्य 100 मीटर रनिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें ग्रामीण नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 100 मीटर रनिंग प्रतियोगिता में गांव के ही श्री अनिल जोशी को विजेता घोषित किया गया।

दीप प्रज्वलन, रंगोली, पेंटिंग व पालकों को बल्क एसएमएस भेजकर वोट जरूर करें का दिया संदेश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन में विदिशा जिले में संचालित 76 छात्रावासों में मतदाता जागरूकता के संदेशों का संप्रेषण छात्र-छात्राओं द्वारा विविध प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर किया गया है। जनजातिया कार्य विभाग की जिला संयोजक श्रीमती पारुल जैन ने बताया कि जिले के 76 छात्रावासों में छात्र-छात्राओं के मध्य ड्राइंग, निबंध लेखन, वाल पेंटिंग व मतदाता जागरूकता रैली के माध्यम से मतदान करने का संदेश दिया गया है। उन्होंने बताया कि छात्रावासों में विशेष कर सांयकाल दीप प्रज्वलन कर मतदान का संदेश दिया गया है। इन सभी कार्यक्रमों में छात्रवासी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की है। छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रकारी प्रतियोगिता के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता स्लोगन जैसे ष्युवा हो तुम देश की शान , जागो उठो और करो मतदानष् तथा ष्निर्भय होकर मतदान करेंगे, देश का हम सम्मान करेंगेष् इस प्रकार के संदेश उकेरकर मतदान का संदेश दिया है रंगोली के माध्यम से भी विदिशा करेगा शत प्रतिशत मतदान का संदेश छात्रवासी छात्र-छात्राओं ने दिया है। इसके साथ ही छात्रावास में रहने वाले छात्र-छात्राओं ने छात्रवासी अधीक्षकों की पहल पर अपने-अपने पालकों को बल्क एसएमएस के माध्यम से संदेश दिया है कि इस बार शत प्रतिशत मतदान संभव हो इसके लिए लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतदान तिथि 7 मई को मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। कलेक्टर श्री वैद्य की पहल पर जिले में संचालित 76 छात्रावासों को विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों के द्वारा गोद लिया गया है। जिलाधिकारी छात्रावासों के सतत संपर्क में हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

आर्थिक रूप से समाजजन की मदद करने का लिया संकल्प

इंदौर। अक्षय तृतीया पर निकलने वाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा के पूर्व कल एयरपोर्ट रोड स्थित हंसदास मठ में सर्व ब्राह्मण युवा परिषद द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित होने वाले एकता सम्मेलन में कल हजारों की संख्या में ब्राह्मण समाज के महिला और पुरुष शामिल हुए। शोभायात्रा संयोजक योगेंद्र महंत ने सभी विप्र बंधुओं के सामने एक प्रस्ताव रखा, जिसमें उन्होंने सभी को संकल्प दिलवाते हुए कहा कि हम अपने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की हर संभव मदद करेंगे। सर्व ब्राह्मण युवा परिषद के संयोजक संजय तिवारी, अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज परशुराम जयंती को ब्राह्मण एकता दिवस के रूप में मनाए, जिससे समाज संगठित होगा। हमारी समाज की युवा परिषद प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दे रही है।9 साल में यह कोष 2 लाख से बढक़र 20 लाख के करीब पहुंच गया है। इस वर्ष करीब 40 लाख रुपए की मदद करेंगे। योगेश मिश्रा, विनायक पांडे, दिनेश शर्मा, विधायक गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक संजय शुक्ला, सत्येंद्र शर्मा, हरिशंकर जोशी, अशोक चतुर्वेदी, नरेंद्र तिवारी, सुरेश शर्मा, प्रमोद ओझा, संजय मिश्रा, लक्की अवस्थी एवं सुनील दीक्षित, अनिल शर्मा, सुदेश पांडे, प्रमोद जोशी, दीपू मिश्रा एवं मातृशक्ति समूह की ओर से मंजुलता शर्मा, प्रमिला शर्मा, जया तिवारी, पूर्णिमा विशेष रूप से उपस्थित थे।

2677 मतदान दलों की 12 मई को स्टेडियम से होगी रवानगी

इंदौर। 13 मई को इंदौर में होने वाले मतदान की जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा व्यापक तैयारी की जा रही है। 12 मई को मतदान सामग्री का वितरण नेहरू स्टेडियम से होगा और 2677 दलों की रवानगी बसों और अन्य वाहनों से अपने निर्धारित केन्द्रों की ओर होगी। इसमें महू विधानसभा का मतदान दल भी शामिल रहेगा और मतों की गिनती भी स्टेडियम में ही होगी, लेकिन यह महू के मत धार लोकसभा में शामिल किए जाएंगे। सामग्री वितरण के लिए नियुक्त किए जाने वाले 750 से अधिक अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिसमें आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। मतदान दलों को 12 मई को मतदान सामग्री का वितरण नेहरू स्टेडियम से किया जाएगा। सामग्री वितरण के लिए 750 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। मतदान सामग्री वितरण एवं मतदान के पश्चात सामग्री वापस प्राप्त करने के कार्य का आज इन्हें प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों की जानकारी दी गई। अधिकारियों/कर्मचारियों से कहा गया कि वे पूर्ण सतर्कता एवं टीम वर्क के साथ कार्य करे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मतदान दलों को दी जाने वाली सामग्री को चेक लिस्ट के अनुसार देने और लेने के लिए विस्तार से जानकारी दी गई।नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतदान सामग्री का वितरण एवं मतदान पश्चात मतदान सामग्री का संग्रहण कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि सभी मतदान दलों को मतदान सामग्री सुगमता से मिले और मतदान पश्चात मतदान सामग्री का संग्रहण कार्य भी सहजता से हो जाए। किसी भी मतदान दल को परेशानी का सामना नहीं करना पडे। अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मतदान सामग्री वितरण तथा मतदान सामग्री के संग्रहण करने के लिए नियुक्त 750 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को समयबद्ध और व्यवस्थित कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। उन्हें भारत निर्वाचन आयोग के नियमों और निर्देशन की जानकारी भी दी गई। सभी प्रतिभागियों को मतदान सामग्री वितरण और पुन- वापस लेने के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा तथा प्रशिक्षण के प्रभारी व अन्य मौजूद रहे।

डॉक्टर कर रहा था चरस तस्करी

इंदौर। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक तस्कर के घर कल रात नारकोटिक्स विंग के अधिकारियों ने छापा मारा, लेकिन पुलिस के पहुंचने के पहले ही वह भाग निकला। वह किराए के मकान में खुद को डॉक्टर बताकर रह रहा था। मिली जानकारी के अनुसार कल रात नारकोटिक्स विभाग की टीम बंगाली कॉलोनी चौराहा के पास एक मकान पर कार्रवाई करने पहुंची थी। उक्त मकान किसी आशुतोष का है, जहां अजय मंडल रहता है। उसने मकान मालिक को बता रखा था कि वह पेशे से डॉक्टर है। इसके बारे में 2 दिन पूर्व छात्रों को चरस सप्लाई करने के मामले में पकड़े गए आरोपी लविश उर्फ बिट्टू कौशल निवासी सूरज नगर ने जानकारी दी थी। हालांकि अजय घर पर नहीं मिला। उसके घर से पुलिस ने आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। नारकोटिक्स विभाग के निरीक्षक प्रवीण ठाकरे ने बताया कि अजय के पकड़े जाने पर बड़ा खुलासा हो सकता है। पूर्व में पकड़े गए तस्कर इसी के लिए काम करते थे। उनसे पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि अजय मंडल लंबे समय से चरस और अन्य नशीले पदार्थों का कारोबार कर रहा है।

कार चालक ने ओवरटेक कर बाइक सवार को मारी टक्कर

इंदौर। इंदौर-देपालपुर रोड पर भीषण सड़क हादसा हुआ। एक कार वाले ने ओवरटेक करने के चक्कर में बाइक सवार दंपति और उनके मासूम बच्चों को टक्कर मार दी। घटना में बाइक चला रहे शख्स और उसके बेटे की मौत हो गई, जबकि पत्नी घायल हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर बैठे दंपति की बेटी उछलकर पास में जा रही भूसे की ट्रॉली में गिर गई, जिससे वह बच गई।मिली जानकारी के अनुसार देपालपुर से अपने गांव मूरखेड़ा जा रहे बाइक सवार राजेश, पत्नी पूजा, बेटे हर्षित और मासूम बेटी हादसे का शिकार हुए। इंदौर पासिंग कार ने भूसे से भरे ट्रक को ओवरटेक करने के चक्कर में इनको टक्कर मारी। घटना में गंभीर चोटें आने से राजेश और हर्षित की मौत हो गई। पूजा भी गंभीर घायल हुई, जबकि उनकी मासूम बेटी उछलकर भूसे की ट्राली में जा गिरी। काफी देर तक उसका पता नहीं चला, लेकिन बाद में जैसे ही ट्राली वाले ने ट्राली रोकी तो मासूम उसमें रोती दिखी। वह उसे वापस घटनास्थल लेकर पहुंचा। पुलिस ने टक्कर मारने वाली कार को जब्त कर उसके चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की करने की बात कही। बताया जा रहा है कि पूजा की हालत भी गंभीर बनी हुई है। उसका इलाज जारी है। उधर राजेश और उसके बेटे का अंतिम संस्कार किया जाएगा। पता लगाया जा रहा है कि कार चालक नशे में तो नहीं था।

खजराना चौराहा मजदूर चौक पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

इंदौर। इंदौर में लोकसभा निर्वाचन के लिये 13 मई को होने वाले मतदान के लिये व्यापक तैयारियां जारी है। इस दिन इंदौर वोटिंग का त्यौहार मनायेगा। मतदाता जागरूकता के लिये आज मजदूर दिवस पर खजराना चौराहा के मजदूर चौक पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में टीम बेसिक्स द्वारा मतदान की महत्ता बताई गई। अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित किया गया। उनसे कहा गया कि वे अपने मतदान का उपयोग तो करें साथ ही अन्य मतदाताओं को मतदान के लिये प्रोत्साहित करें।

सिक्स लेन होगा एमआर-10 जंक्शन का अंडरब्रिज

इंदौर। एमआर-10 जंक्शन पर बनाया जा रहा अंडरब्रिज सिक्स लेन चौड़ा होगा। जंक्शन पर अंडरब्रिज के लिए शुरू हुई खुदाई के बाद अब सरियों के जाल-जंजाल लगाना शुरू हो गए हैं। 30 मीटर लंबाई वाला यह ब्रिज इंदौर-राघौगढ़ फोरलेन हाईवे के वाहनों के लिए बनाया जा रहा है। इससे वाहन एमआर-10 से राघौगढ़ की ओर आ-जा सकेंगे।नेशनल हाईवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अफसरों ने बताया कि तीन लेन राघौगढ़ से इंदौर और तीन लेन इंदौर तरफ से राघौगढ़ की ओर जाने वाले वाहनों के लिए रहेगी। अंडरब्रिज से वाहन वर्तमान बायपास की सडक़ के नीचे से निर्बाध गति से गुजर सकेंगे। जंक्शन पर उन्हें रुकना या फंसना नहीं पड़ेगा। अफसरों ने बताया कि इंदौर-राघौगढ़ के बीच 28 किलोमीटर लंबे हिस्से में फोरलेन हाईवे बनाया जा रहा है, लेकिन अंडरब्रिज विशेष तरह का स्ट्रक्चर है, इसलिए इसे भविष्य की जरूरतों के हिसाब से सिक्स लेन चौड़ा बनाया जा रहा है। यह ग्रीनफील्ड हाईवे इंदौर-हरदा-बैतूल हाईवे प्रोजेक्ट का हिस्सा है। भविष्य में जब भी इसके मुख्य मार्ग (मेन कैरेज-वे) को फोर से सिक्स लेन में बदला जाएगा तो अंडरब्रिज को चौड़ा करने की झंझट नहीं करना पड़ेगी। अगले साल मार्च तक पूरा होना है प्रोजेक्ट एनएचएआई अफसरों के मुताबिक इंदौर-राघौगढ़ हाईवे का काम 2023 में शुरू हुआ था और यह प्रोजेक्ट मार्च-25 तक पूरा करने का लक्ष्य है। शुरुआत में पॉवर प्लांट से कोयले की राख (फ्लायऐश) की सप्लाई नहीं होने से कई महीनों तक हाईवे निर्माण का काम अटका रहा, लेकिन अब काम पूरी गति से हो रहा है

फर्जी बिलों के जरिए निगम से हड़पे करोड़ों रुपए

इंदौर। नगर निगम के बहुचर्चित 107 करोड़ के फर्जी बिल घोटाले में पुलिस ने जहां आरोपियों की संख्या बढ़ाते हुए लेखा विभाग के बाबू राजकुमार सालवी को गिरफ्तार किया, वहीं वडेरा दम्पति से देर रात तक पूछताछ की गई, जिसमें यह चौंकाने वाली जानकारी भी सामने आई कि इन फर्जी बिलों के जरिए इन ठेकेदार फर्मों ने जो 80 करोड़ रुपए तक की राशि निगम खजाने से हासिल कर ली, उसमें से 70 से 80 फीसदी तक हिस्सा घोटाले के मास्टरमाइंड इंजीनियर अभय राठौर से लेकर ऑडिटर और लेखा शाखा के बाबू सहित अन्य को बांटा जाता रहा। यानी ठेकेदारों के पास 20 से 30 फीसदी राशि ही रहती थी। चूंकि यह भी करोड़ों में है, जिससे अचल सम्पत्तियां खरीदी गईं। आलीशान बंगले के अलावा राहुल वडेरा ने कुछ समय पहले सनावदिया में 4 बीघा जमीन भी खरीदी, उसकी भी जानकारी पुलिस को मिली, साथ ही अग्निबाण द्वारा खाली भूखंड पर खड़ी वडेरा की महंगी गाड़ी की खबर के बाद कल पुलिस ने उस फॉर्च्युनर गाड़ी को भी अपनी जब्ती में ले लिया। दूसरी तरफ विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर आयुक्त शिवम वर्मा ने अभय राठौर को निलंबित किया, वहीं सब इंजीनियर उदय भदौरिया और एंट्री ऑपरेटर चेतन भदौरिया को सेवा से ही बर्खास्त कर डाला, वहीं आज आयुक्त को विभागीय जांच की रिपोर्ट भी मिल जाएगी। क्षितिज और जाह्नवी इंटरप्राइजेस फर्म के कर्ताधर्ता राहुल वडेरा और रेणु वडेरा का जो आलीशान बंगला निपानिया स्थित अपोलो डीबी सिटी के अपटाउन में निर्मित है, वहीं पर एक खाली भूखंड डी-20 पर 50 लाख रुपए से अधिक की कीमत वाली लग्जरी एसयूवी फॉर्च्युनर, जिसका नम्बर एमपी 09 सी झेड 6000 है, उसे फरारी से पहले छुपाकर खड़ा किया गया। एमजी रोड पुलिस ने कल इस लग्जरी गाड़ी को भी अपनी जब्ती में ले लिया। आरटीओ से मिली जानकारी के मुताबिक इस गाड़ी का रजिस्ट्रेशन राहुल वडेरा की पत्नी और एक फर्म की कर्ताधर्ता रेणु वडेरा है। दूसरी तरफ पुलिस ने नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराई गई पांचों ठेकेदारों की अचल सम्पत्तियों की जानकारी तो जुटाई ही, वहीं अभी गिरफ्तारी के बाद राहुल वडेरा से की गई पूछताछ में उसने अन्य सम्पत्तियों की भी जानकारी दी है, जिसमें सनावदिया स्थित चार बीघा जमीन भी शामिल है। उसकी कीमत भी 20 करोड़ रुपए से अधिक होती है। वहीं लैंड लॉर्ड टाउनशिप में भूखंड सहित अन्य सम्पत्तियों की भी जानकारी मिली है। वहीं पुलिस सूत्रों के मुताबिक राहुल वडेरा के एक पार्टनर कपिल आर्य से भी पूछताछ की जा सकती है, जिसकी रियल इस्टेट सहित अन्य कारोबार में वडेरा के साथ भागीदारी उजागर हुई है। वहीं डीसीपी झोन-3 पंकज पांडे का कहना है कि गिरफ्तार किए गए राहुल वडेरा और रेणु वडेरा के साथ निगम की लेखा शाखा के बाबू राजकुमार सालवी को कोर्ट में पेश किया गया और 4 मई तक पूछताछ के लिए पुलिस को उनका रिमांड मिल गया है। इन ठेकेदारों ने पूछताछ में इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड निगम के इंजीनियर अभय राठौर को ही बताया है और बदले में मोटी कमीशन की राशि बांते रहे, जिसमें से राठौर के ही हिस्से में लगभग 50 फीसदी राशि जाती रही, तो ऑडिटर से लेकर अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों को भी 15 से 30 प्रतिशत तक निगम से हासिल राशि में से हिस्सा दिया जाता रहा। इस तरह 70 से 80 फीसदी राशि कमीशन के रूप में बांटी जाती रही। एमजी रोड थाना प्रभारी विजयसिंह सिसोदिया ने बताया कि आरोपियों की चल-अचल सम्पत्तियों की लगातार खोज-पड़ताल की जा रही है।

पानी के टैंकरों का भी हो चुका है 5 करोड़ का भुगतान

निगम के जिस इंजीनियर अभय राठौर को इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड बताया गया। उसने बीते वर्षों में ट्रेंचिंग ग्राउंड से लेकर उद्यान, जल यंत्रालय सहित अन्य में भी इसी तरह के फर्जीवाड़े किए। यहां तक कि राहुल वडेरा ने पानी के टैंकर सप्लाय का ठेका भी कुछ वर्ष पूर्व हासिल किया और उसके 7 करोड़ के बिल निगम को अभी मिले हैं, जिसमें से 5 करोड़ रुपए का भुगतान हो चुका है और 2 करोड़ रुपए का भुगतान अभी रोक लिया गया। हालांकि जल यंत्रालय का कहना है कि यह फर्जी बिल का मामला नहीं है, बल्कि गर्मियों में जो टैंकर किराए पर लिए जाते हैं उसका सही बिल है। पुलिस की गिरफ्त में आए राहुल वडेरा की फर्म जाह्नवी इंटरप्राइजेस है तो उनकी पत्नी रेणु वडेरा के नाम पर क्षितिज इंटरप्राइजेस बनाई गई। पुलिसिया पूछताछ में रेणु वडेरा ने बताया कि उसे तो अब पता चला कि पति ने इतना बड़ा घोटाला कर दिया। वह तो सीधी-सादी गृहिणी है और उसके नाम पर पति ने फर्म खोली और बैंक खाते में जो राशि जमा होती थी, उसे निकालकर पति राहुल को सौंप देती थी। पूछताछ में रेणु बार-बार रोते हुए खुद को बेकसूर भी बताती रही और कहा कि जहां पति बोलते थे, वहां वह अपने साइन कर देती थी। उसे लगा कि पति निगम की ठेकेदारी करता है और सही काम ही होगा।

इंदौर से कांग्रेस किसी का नहीं करेगी समर्थन

इंदौर। इंदौर के चुनाव मैदान से बाहर हुई कांग्रेस यहां किसी भी निर्दलीय प्रत्याशी को समर्थन नहीं देगी। सोमवार को हुए घटनाक्रम से सदमे में डूबी कांग्रेस ने मंगलवार शाम तक निर्णय लेने की बात कही थी। मंगलवार शाम मीडिया के सामने आए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि लड़ाई अब सिर्फ कांग्रेस की नहीं, इंदौर की जनता की है। कांग्रेस तो वैसे ही चुनाव से बाहर हो गई है। हम लोगों से आह्वान कर रहे हैं कि भाजपा को सबक सिखाएं और उसका बहिष्कार करें। पटवारी के साथ पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, नगर अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा, अश्विन जोशी, शोभा ओझा, कृपाशंकर शुक्ला और रीना बौरासी भी पत्रकार वार्ता में नजर आए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इंदौर जैसे स्वच्छ शहर को भाजपा ने राजनीतिक रूप से प्रदूषित और कलंकित किया है। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इस तरह का कृत्य कर गर्व महसूस कर रहे हैं। लोगों को जागना चाहिए, क्योंकि ये लोकतंत्र की हत्या है और संविधान खतरे में है। पटवारी ने यह भी कहा कि सवाल यह है कि कांग्रेस प्रत्याशी ने दल क्यों बदला, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण सवाल यह है कि सत्ताधारी दल जनता के वोटों से मिली ताकत से नागरिकों से ही वोट का अधिकार छीनने और शहर के लोकतंत्र को कलंकित करने का काम कैसे कर सकता है। पटवारी ने यह भी कह दिया कि हमें आघात लगा हैं, मैं रात भर सो भी नहीं सका। पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने चार-पांच निर्दलीय लोगों को धमकाया। उन पर नामांकन वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। पांच लोगों को हम कांग्रेस नेताओं ने अपने घरों में रखा। सरपंच चुनाव में भी ऐसा नहीं होता, जैसा सांसद के चुनाव में भाजपा कर रही है। हम भाजपा को सबक सिखाएंगे। इसके लिए जन अभियान चलेगा। रैलियां होंगी और वार्ड स्तर पर आयोजन होंगे। लोगों के पास नोटा भी विकल्प है और अन्य भी। हम किसी का नाम नहीं लेते, लेकिन लोगों से कहेंगे कि कुछ भी चुनें, लेकिन भाजपा का बहिष्कार करें।

चौबीस घंटे में नहीं बुझी जंगल की आग

इंदौर वनमंडल के अंतर्गत आने वाले जंगलो में 200 बार से ज्यादा लगी आग

इंदौर। तापमान बढ़ते ही मध्य प्रदेश के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। बीते डेढ़ महीने में 550 से ज्यादा बार मध्य प्रदेश का जंगल सुलगा, जिसमें कई घटनाओं में आग बुझाने में वन कर्मियों को समय लग गया। साथ ही कई वनक्षेत्र में पंद्रह दिन में तीन से चार बार आग लग चुकी है। इन घटनाओं का आकलन करने के बाद एपीसीसीएफ दिलीप कुमार ने निर्देश दिए हैं कि यदि 24 घंटे के भीतर जंगल की आग नहीं बुझाई तो वन कर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। साथ ही आग लगने की घटनाओं पर प्रदेश के अलग-अलग वन मंडलों से रिपोर्ट मांगी गई है। संतोषजनक जवाब नहीं होने पर बीट प्रभारी से से लेकर डिप्टी रेंजर और रेंजर को कार्रवाई के दायरे में लिया गया है।मध्य प्रदेश के जंगल में आग लगने की घटना की जानकारी फारेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम के माध्यम से प्रत्येक अधिकारी तक पहुंचती है। वेबसाइट पर दर्ज आंकड़ों के हिसाब से 15 मार्च से लेकर 30 अप्रैल तक प्रदेश के जंगलो में आग लगने की 550 घटनाएं हो चुकी है, जिसमें इंदौर वनमंडल के अंतर्गत आने वाले जंगलो में 200 बार से ज्यादा आग लगी है। कुछ घटनाओं में 8 से 10 घंटे आग बुझाने में लगे हैं, तो कहीं चौबीस घंटे से ज्यादा तक जंगल जलने से नुकसान हुआ है। विभाग ने वन मंडलों में हुई घटनाओं का ब्यौरा निकाल कर जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों को कार्रवाई के दायरे में लिया है। जहां वन कर्मियों की लापरवाही से आग पर काबू पाने में समय लगा वहां पदस्थ अधिकारी-कर्मचारी सख्त एक्शन के दायरे में लाए गए हैं।एपीसीसीफ दिलीप कुमार ने प्रत्येक वनकर्मी और अफसरों को कार्रवाई के दायरे में लिया है। एक बीट में दो स्थानों पर आग की घटना पर बीट प्रभारी को कार्रवाई के दायरे में लिया जाएगा। जबकि एक परिक्षेत्र में 6 स्थान पर घटना दर्ज होने की स्थिति में डिप्टी रेंजर व रेंजर पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं एक उपवन मंडल में 8 से अधिक स्थानों पर आग लगने की घटना होती है तो एसडीएम पर कार्रवाई होगी।

पुलिस ने गुंडे की थाने में कराई परेड

इंदौर। इंदौर स्थित बाईपास पर बदमाशों ने एक युवक से चाकू की नोंक पर बाइक और रुपये लूट लिए। पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज किया है। बता दे कि दोपहर को ही पुलिस ने चाकूबाजों की परेड करवाई थी और थाने बुलाकर समझाया था कि अपराध नहीं करना है, लेकिन बदमाशों ने रात को ही चाकू अड़ाकर लूट कर ली।घटना मंगलवार रात करीब 10-30 बजे फीनिक्स सिटाडेल मॉल के पास की है। जहां बदमाशों ने सर्विस रोड़ पर जितेंद्र पुत्र मोतीलाल पंचोली निवासी ओमेक्स सिटी-1 के साथ लूट की वारदात को अंजाम दिया।रुपये और बाइक लूटी। जितेंद्र ने पुलिस को में बताया कि वह फीनिक्स मॉल में हाउसकीपिंग का काम करता है। करीब 10-30 बजे वह काम कर घर जा रहा था। जैसे ही वह सर्विस रोड़ तक पहुंचा एक बाइक पर आए तीन बदमाशों ने रोक लिया। बाइक से दो बदमाश उतरे और एक ने चाकू अड़ा दिया। आरोपियों ने बैग छीना और उसमें रखे तीन हजार रुपये निकाल लिए। साथ ही आरोपियों ने जितेंद्र की बाइक (एमपी 09 एलजी 4996) भी लूट ली।

पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

जितेंद्र ने घटना के बाद फील्ड ऑफिसर हरीश शर्मा को काल कर घटना बताई और थाने पहुंचा। पुलिस ने रात में ही एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

थानों में कराई थी गुंडों की परेड

गौरतलब है कि मंगलवार को कनाड़िया, लसूड़िया, तिलक नगर, खजराना, परदेशीपुरा, एमआईजी और विजयनगर थाने में अपराधियों की परेड करवाई गई। कई ऐसे बदमाश थे जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा थी और उनके विरुद्ध केस दर्ज थे। पुलिस ने सभी को थाने में कतारबद्ध खड़ा किया और उनके संबंध में जानकारी ली। पारिवारिक स्थिति, दोस्त, वकील, रिश्तेदार, मददगारों की जानकारी ली और डोजियर अपडेट किया।

कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी घोषित करने की मोती सिंह की याचिका खारिज

इंदौर। इंदौर लोकसभा सीट से नाम वापसी के अंतिम दिन सोमवार को कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी अक्षय कांति बम के नामांकन फार्म वापस लेने और भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद कांग्रेस नेता मोती सिंह पटेल ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर खुद को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने मंगलवार को उनकी याचिका निरस्त कर दी।कोर्ट ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में रिवर्स गियर नहीं होता। आपका नामांकन फार्म स्क्रूटनी के दौरान ही निरस्त हो चुका है। प्रत्याशियों की सूची से पहले ही बाहर हो चुके हैं। ऐसे में कोई राहत नहीं मिल सकती। अगर आपका नाम प्रत्याशियों की अंतिम सूची में शामिल होता तो पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ने का मौका होता।

उल्लेखनीय है कि मोती सिंह पटेल ने भी कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में नामांकन फार्म जमा किया था। उनका फार्म स्क्रूटनी के दौरान इसलिए निरस्त हो गया था, क्योंकि नामांकन फार्म पर प्रस्तावक के रूप में 10 लोगों के बजाय एक व्यक्ति के ही हस्ताक्षर थे। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के नामांकन फार्म वापस लेने के बाद पटेल ने एडवोकेट विभोर खंडेलवाल के माध्यम से मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ के समक्ष याचिका प्रस्तुत की थी। इसमें कहा गया था कि कांग्रेस द्वारा जारी बी फार्म में दो प्रत्याशियों के नाम थे। इसमें अक्षय बम का नाम अनुमोदित प्रत्याशी और मोती सिंह पटेल का नाम वैकल्पिक प्रत्याशी के रूप में था। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मोती सिंह का नाम इस आधार पर निरस्त किया है कि उनके फार्म पर प्रस्तावक के रूप में 10 लोगों के बजाय सिर्फ एक व्यक्ति का नाम था। चूंकि पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी ने नामांकन वापस ले लिया है, इसलिए फार्म बी के आधार पर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के रूप में मोती सिंह के नाम की घोषणा की जानी चाहिए। पार्टी की तरफ से नामांकन फार्म जमा करने में प्रस्तावक के रूप में सिर्फ एक व्यक्ति के हस्ताक्षर पर्याप्त हैं। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया की खंडपीठ ने करीब आधे घंटे की बहस के बाद याचिका निरस्त कर दी।

इंदौर में लोकसभा चुनाव

सभा, रैली और जुलूस की अनुमति के लिए बनाई एकल खिड़की

इंदौर (नप्र)। 13 मई को इंदौर में होने वाले लोक सभा चुनाव की तैयारियों को लेकर कलेक्टोरेट में अहम बैठक हुई। चुनाव आयोग के अफसरों के साथ ही उम्मीदवारों और उनके अभ्यर्थी भी शामिल हुए।

निगम स्वास्थ्य विभाग की सतर्कता से प्रतिबंधित प्लास्टिक ग्लास के 122 कार्टून जब्त कर किया 1 लाख का स्पॉट फाइन

इंदौर। आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा शहर को प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के क्रम में शहर में अमानक प्रतिबंधित प्लास्टिक व डिस्पोजल का विक्रय व संग्रहण करने वाले के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश के क्रम में स्वास्थ्य अधिकारी राजेश जायसवाल एवं सीएसआई अरविंद पथरोड द्वारा कल झोन क्रमांक 19 में एसएम प्रोडक्ट प्रो. विकास बेताला 388/2 शिव उद्योग नगर पर प्रतिबंधित डिस्पोजल प्लास्टिक ग्लास का निर्माण करने व संग्रहण करने पर 122 कार्टुन जब्त कर रूपये 1 लाख का स्पॉट फाईन कर राशि वसुल की गई।

झोन 19 सीएसआई अरविंद पथरोड ने बताया प्रतिदिन झोन क्षेत्र की सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के क्रम में झोन क्रमांक 19 वार्ड क्रमांक 75 शिव उद्योग नगर क्षेत्र में स्थित एसएम प्रोडक्ट युनिट ऑफ सवेरा डिस्पोजल प्राय.लि. के सामने से गुजरने पर वहा के कर्मचारियों द्वारा तत्काल मेनगेट बंद करने का प्रयास किया गया। इस पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को शंका होने पर फैक्ट्री के अंदर जाकर निरीक्षण किया तो देखा कि एसएम प्रोडक्ट फैक्टी में प्रतिबंधित प्लास्टिक डिस्पोजल ग्लास का निर्माण कार्य जारी है। इस पर सीएसआई पथरोड द्वारा स्वास्थ्य अधिकारी जायसवाल व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को उक्त जानकारी दी गई, साथ ही म.प्र. प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिक संजय जैन को भी सूचना दी गई।

स्वास्थ्य अधिकारी जायसवाल, सीएसआई पथरोड एवं म.प्र. प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के संजय जैन द्वारा मौके स्थल पर पहुंचने पर प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के सुनिल जैन ने बताया कि फैक्ट्री को प्लास्टिक कंटेनर निर्माण का प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड इंदौर द्वारा लायसेंस दिया गया, किंतु इनके द्वारा प्रतिबंधित प्लास्टिक डिस्पोजल ग्लास का निर्माण किया जा रहा है। इस पर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा झोन क्रमांक 19 में एस एम प्रोडक्ट प्रो. विकास बेताला 388/2 शिव उद्योग नगर पर 122 प्रतिबंधित डिस्पोजल ग्लास के कार्टुन का निर्माण व संग्रहण करने पर 122 कार्टुन जब्त कर, रूपये 1 लाख का स्पॉट फाईन वसुल किया गया। कार्यवाही के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी राजेश जायसवाल, सीएसआई अरविंद पथरोड एवं म.प्र. प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के संजय जैन, सहायक सीएसआई धीरेन्द्र सिसोदिया व अन्य उपस्थित थे।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, गुरुवार 02 मई , 2024

संपादकीय | चुनाव से पहले उम्मीदवारों का आना-जाना...

राजनीतिक दलों में लोकतांत्रिक वातावरण होना अच्छी बात मानी जाती है, ताकि किसी भी सदस्य को अगर किसी बात पर एतराज हो तो वह उसे जाहिर कर सके। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि कोई पार्टी अपने भीतर अनुशासन बनाना ही बंद कर दे। चलते चुनाव के बीच जिस तरह कांग्रेस के नेता बगावत करते और दूसरे दलों का दामन थामते देखे जा रहे हैं, उसे कांग्रेस बेशक पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र बता कर खुद अपनी पीठ थपथपाने की कोशिश करे, पर हकीकत यही है कि इससे उसमें अनुशासन की कमी जाहिर होती है। कुछ दिनों पहले गुजरात में सूरत सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार ने जानबूझ कर अपना पर्चा भरने में गड़बड़ी की, जिसके चलते उसका पर्चा निरस्त हो गया और भाजपा का प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिया गया। अब इंदौर सीट से उम्मीदवार ने नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। एक दिन पहले दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से अरविंदर सिंह लवली ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि चुनाव प्रभारी उनकी बात नहीं सुनते। लवली ने पार्टी नेतृत्व पर भी कई आरोप लगाए हैं। हालांकि इन तीनों मामलों में भाजपा के दबाव और सांठगांठ की बातें भी की जा रही हैं, मगर इससे कांग्रेस की अनुशासनात्मक ढिलाई और अपने नेताओं को संभाल कर रख पाने में नाकामी छिप नहीं जाती।

पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में नेता कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो गए। उनमें कई वरिष्ठ नेता भी थे। यह ठीक है कि कई नेताओं को जब कांग्रेस में अपना भविष्य नजर नहीं आया, तो उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। कुछ के बारे में कहा जाता है कि वे अपने भ्रष्टाचार के खिलाफ

कार्रवाई से बचने के लिए सत्तापक्ष की तरफ चले गए। मगर इससे कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल तो उठते ही हैं कि वह क्यों अपने नेताओं को संतुष्ट नहीं रख सकी। ऐसा क्या हुआ कि उसके जो नेता कल तक सिद्धांतों की दुहाई देते न थकते थे, वे अचानक विद्रोही और अवसरवादी नजर आने लगे। उनका असंतोष अचानक फूट पड़ा और वे कांग्रेस के खिलाफ विष-वमन करने लगे। किसी भी पार्टी को ताकत इस बात से मिलती है कि उसके नेता और कार्यकर्ता कितने प्रतिबद्ध हैं। उन्हें कोई जिम्मेदारी मिलती है या नहीं मिलती, उन्हें चुनाव का टिकट मिलता है या नहीं मिलता, वे चुप रह कर पार्टी नेतृत्व का फैसला स्वीकार कर लेते और अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए निष्ठा और एकजुटता का परिचय देते हैं। भाजपा इसीलिए इस वक्त सबसे ताकतवर पार्टी है कि उसका नेतृत्व अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को अपने साथ जोड़ कर रखने में कामयाब है।

चुनाव जीतने के लिए हर राजनीतिक दल अपने पैंतरे आजमाता ही है। जैसे कि आरोप लग रहे हैं, अगर भाजपा कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में खींचने में कामयाब हो रही है, तो इसे चुनावी गणित के हिसाब से गलत नहीं कहा जा सकता। असल सवाल है कि कांग्रेस ने अपने नेताओं को इस तरह अनुशासित क्यों नहीं रखा या उनमें ऐसा भरोसा क्यों नहीं भर सकी कि वे दूसरे किसी दल के प्रलोभन या दबाव में आ ही न पाएं। बीच चुनाव में इस तरह पार्टी का साथ छोड़ कर बड़े नेताओं, यहां तक कि उम्मीदवारों के दूसरे दल में शामिल होने से न केवल पार्टी की आंतरिक कमजोरी जाहिर होती, बल्कि उसकी रणनीति भी विफल होती है।

सोशल मीडिया से...

कांग्रेस ने 10 साल में जितना खर्च किया उतना आज हम 1 साल में खर्च कर रहे हैं। 80 करोड़ देशवासियों को उनकी थाली भरी हुई रहती है। उनका चूल्हा जलता रहता है। आज 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाना मिलता है। इसका पुण्य आपको मिलता है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

÷कांग्रेस डूबती हुई नाव है। मुझे तो आश्चर्य है कि कुछ लोग डूबते हुए नाव पर चढ़ गए हैं, तो अब उन्हें डूबना ही है। वहीं, देखिए आजादी के बाद से ही सनातन धार्मिक स्थलों को, सनातन धार्मिक स्थलों पर, सनातन धार्मिक स्थलों से ऐसा दुर्व्यवहार किया गया कि इन्हें राज्यों में इनके ऊपर ट्रस्ट बनाया गया।

गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री

इस बार बिहार में इन लोगों की हालत बहुत खराब है। बिहार से एनडीए का सफाया हो चुका है और ये लोग पूरी तरीके से घबराए और बौखलाए हुए हैं। कर्नाटक में ढाई हजार बहनों के साथ शोषण हुआ और वह शोषण करने वाला इन्हीं का साथी है और अब पता चल रहा है कि वह जर्मनी फरार हो गया।

तेजस्वी यादव, राजद नेता

हमने मनरेगा लागू की तो मीडिया ने कहा, गरीबों की आदत बिगाड़ रहे हैं। मोदी जी अरबपतियों को पैसा देते हैं तो कहते हैं विकास हो रहा है। जितना उन्होंने 10 साल में उनको दिया, हम आपको देने जा रहे हैं। महालक्ष्मी योजना करोड़ों महिलाओं को लखपति बनाने की योजना।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

आखिर कौन चाहेगा 370 सीटों वाला बहुमत

इस साल फरवरी में अपने राजनीतिक दल के वफादारों को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के लिए 370 लोकसभा सीटों का लक्ष्य रखा। विश्वसनीयता और पारदर्शिता के अलग-अलग स्तर के जनमत सर्वेक्षणों ने भाजपा को 330 से 390 के बीच सीटें दी हैं। उनमें से एक ने 411 की अंतिम संख्या की भी भविष्यवाणी की है कि मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए इतनी प्रभावशाली जीत चाहेंगे। यह पूरी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उनकी व्यक्तिगत स्थिति अलग है। लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ एक बड़ी जीत और राज्यसभा में समान रूप से प्रभावशाली जीत, भाजपा को मौलिक परिवर्तन करने की अनुमति देगी। पूर्ण और निरंकुश प्रधानमंत्री का मनमाने शासन का सामना करते हुए, कई व्यापारिक व्यक्तियों ने उन अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करके घर से जोखिम उठाया है जो उनके लिए अधिक अनुकूल है। भारत से व्यापारिक व्यक्तियों का विदेशी गंतव्यों की ओर प्रस्थान धीमा लेकिन विशिष्ट रहा है। इस तथ्य पर विचार करें कि जबकि भारत में निजी कॉर्पोरेट निवेश स्थिर बना हुआ है, भारत से दुनिया भर के गंतव्यों के लिए वार्षिक औसत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2000-2005 में प्रति वर्ष लगभग 200 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2010-15 में लगभग 2.0 बिलियन डालर हो गया।

संजय बारू

भाजपा या उसके बाहर का कोई भी व्यक्ति प्रधानमंत्री को इतना शक्तिशाली बनाना नहीं चाहेगा कि वह राजनीति में और भी अधिक निरंकुश और दबंग बन जाएं। कोई भी कारोबारी व्यक्ति ऐसा प्रधानमंत्री नहीं चाहेगा जो इतना शक्तिशाली हो कि वह सरकार के पास उपलब्ध उपकरणों के माध्यम से उन्हें परेशान करना जारी रख सके। यह अब तक सर्वविदित है कि चुनावी बांड और अन्य माध्यमों से भाजपा द्वारा जुटाए गए हजारों करोड़ रुपए सूक्ष्म और स्पष्ट मिलीभगत के माध्यम से निकाले गए थे।

देश भर में अधिकांश व्यावसायिक परिवार उच्च जातियों से हैं। वे भाजपा के ड्क्षहदुत्व एजैंडे के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। मैंने जिन भी कारोबारी नेताओं से बात की है, वे भाजपा को सत्ता में चाहते हैं, लेकिन सर्वशक्तिमान बनना नहीं देना चाहते। दूसरे तरीके की तुलना में किसी भी कांग्रेसी नेता को 1972 और 1977 के बीच का दौर पसंद नहीं आया जब इंदिरा गांधी के विशाल और दबंग नेतृत्व ने हर राष्ट्रीय और प्रांतीय नेता को एक मूकदर्शक बनाकर रख दिया था।

जब राजीव गांधी को संसद में 400 से अधिक सीटें मिलीं तो प्रांतीय कांग्रेस के राजनेताओं ने अपनी स्थिति में गिरावट और समर्थन आधार में कमी देखी। राजीव गांधी और उनके दरबार के अनुचर उन 400 से अधिक सांसदों के साथ इस पर प्रभुत्व स्थापित करने में सक्षम हो सकते थे, लेकिन निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर पार्टी को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा।

इस साल फरवरी में अपने राजनीतिक दल के वफादारों को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी के लिए 370 लोकसभा सीटों का लक्ष्य रखा। विश्वसनीयता और पारदर्शिता के अलग-अलग स्तर के जनमत सर्वेक्षणों ने भाजपा को 330 से 390 के बीच सीटें दी हैं। उनमें से एक ने 411 की अंतिम संख्या की भी भविष्यवाणी की है कि मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए इतनी प्रभावशाली जीत चाहेंगे। यह पूरी तरह से स्वीकार्य नहीं है। उनकी व्यक्तिगत स्थिति अलग है। लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ एक बड़ी जीत और राज्यसभा में समान रूप से प्रभावशाली जीत, भाजपा को मौलिक परिवर्तन करने की अनुमति देगी।

पूर्ण और निरंकुश प्रधानमंत्री का मनमाने शासन का सामना करते हुए, कई व्यापारिक व्यक्तियों ने उन अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करके घर से जोखिम उठाया है जो उनके लिए अधिक अनुकूल है। भारत से व्यापारिक व्यक्तियों का विदेशी गंतव्यों की ओर प्रस्थान धीमा लेकिन विशिष्ट रहा है। इस तथ्य पर विचार करें कि जबकि भारत में निजी कॉर्पोरेट निवेश स्थिर बना हुआ है, भारत से दुनिया भर के गंतव्यों के लिए वार्षिक औसत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2000-2005 में प्रति वर्ष लगभग 200 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2010-15 में लगभग 2.0 बिलियन डालर हो गया।

बहुत अधिक शादीशुदा युवा नेता खुद से पूछ रहे हैं कि

मोदी के बाद वे अपना भविष्य कैसे सुरक्षित कर सकते हैं। राजनाथ और शाह सेवानिवृत्त हो सकते हैं, लेकिन युवाओं का क्या होगा? अगर इंदिरा-राजीव का सिक्का इतनी जल्दी बंद हो गया तो मोदी का सिक्का बंद होने में कितना समय लगेगा? पार्टी संस्थाओं और राजशाही को कमजोर करके और सत्ता का केंद्रीयकरण करके, मोदी भाजपा के साथ वही कर रहे हैं जो इंदिरा और राजीव ने कांग्रेस के साथ किया था, वही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ किया।

संघ संगठन ने उत्साहपूर्वक मोदी के लिए प्रचार किया और उन्होंने आर.एस.एस. की कई नीतियों को लागू किया है। हालांकि, 2019 के चुनावों के बाद आर.एस.एस. और मोदी के बीच सत्ता समीकरण मोदी के पक्ष में झुक गया है। क्या आर.एस.एस. नेता अपनी खुद की प्रतिष्ठा को बहाल नहीं करना चाहेंगे और यह सुनिश्चित नहीं करेंगे कि भाजपा सरकार को मोदी से ज्यादा उनकी जरूरत है? प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं दावा किया है कि इस तरह के आश्वस्त बहुमत से उनकी सरकार महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार करने में सक्षम होगी जो भारत के विकास को गति देगी और इसे 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बना देगी। इस 'सुधार के लिए बहुमत' के तर्क को आसानी से खारिज किया जा सकता है। पी.वी. नरसिम्हा राव और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे प्रधानमंत्रियों को इस तरह का संसदीय समर्थन नहीं मिला, फिर भी उन्होंने महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने देश के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक लाभ हासिल करने के लिए अपनी सरकार का भविष्य दाव पर लगा दिया। लोकसभा में स्पष्ट बहुमत प्राप्त होने के बावजूद मोदी कृषि कानूनों में सुधार करने में विफल रहे। सुधार के लिए केवल संख्या की नहीं बल्कि बुद्धिमान नेतृत्व की आवश्यकता होती है। क्षेत्रीय दलों के नेताओं की तरह और भाजपा के भीतर कई प्रांतीय नेताओं की तरह, कई भाजपा समर्थक व्यापारिक नेता भी कार्यालय में एक ऐसे प्रधानमंत्री को पसंद करेंगे जिसके पास संख्या 270 से 370 के करीब सीटें हों।

अंत में, यह याद रखना उपयोगी होगा कि जब 'शक्तिशाली' प्रधानमंत्री कार्यालय में थे, उस अवधि में 4 प्रतिशत से कम की वार्षिक औसत वृद्धि दर की तुलना में, 'कमजोर प्रधानमंत्रियों के युग' (1991 से 2014 तक) ने अर्थव्यवस्था में रिकॉर्ड वृद्धि को करीब से देखा। नरसिम्हाराव, वाजपेयी और सिंह में से प्रत्येक ने निर्णायक नीतिगत कदम उठाए और दुनिया ने पहली बार यह स्वीकार किया कि भारत अब एक 'उभरती शक्ति' है।चंद्रबाबू नायडू से लेकर नवीन पटनायक तक कौन सा मुख्यमंत्री ऐसे प्रधानमंत्री से निपटना चाहेगा जिसके पास संसद में इतना जबरदस्त बहुमत हो कि वह उनके साथ वैसा ही व्यवहार करे जैसा राजीव ने हैदराबाद में अंजैया के साथ किया था? कोई नहीं। प्रत्येक मुख्यमंत्री, गैर-भाजपा और भाजपा दोनों, ऐसे प्रधानमंत्री को पसंद करेंगे जो उनकी जरूरतों के प्रति उत्तरदायी हो।

राजीव गांधी ने संसद में 400 से अधिक सीटें हासिल कीं। राजीव गांधी और उनके दरबार के अनुचर शायद इस पर प्रभुत्व जमाने में सक्षम रहे होंगे। क्योंकि मोदी के दूसरे कार्यकाल के दौरान उन्होंने खुद को राजनीतिक रूप से सिकुड़ा, अपमानित और हाशिए पर पाया अत- स्वतंत्र राजनीतिक आधार वाला कौन-सा महत्वपूर्ण भाजपा नेता मोदी के लिए 370 चाहेगा? निश्चित रूप से न तो राजनाथ सिंह और नितिन गड़करी, और न ही शायद अमित शाह भी। एक-एक करके, मोदी द्वारा सुषमा स्वराज, प्रकाश जावड़ेकर, रविशंकर प्रसाद, सुरेश प्रभु जैसे वाजपेयी के सभी सहयोगियों को बाहर कर दिया गया था, ऐसे नेता मोदी के व्यवहार को नहीं भूले होंगे। यह बात कई ऐसे लोगों को परेशान कर सकती है जो आज भी पद पर हैं।

इंदौर के सीवरेज में भ्रष्टाचार

नाला टैपिंग फेल तो 55 करोड़ गड़बड़ी सुधार के नाम पर बर्बाद

इंदौर (नप्र)। शहर के सीवरेज सिस्टम को सुधारने के नाम पर नगर निगम ने पानी की तरह पैसा बहाया। करोड़ों खर्च के बाद भी न तो कान्ह नदी शुद्ध हुई न ही शहर में जलजमाव की समस्या का समाधान हुआ। सीवरेज लाइनों के नेटवर्क पर करीब 1500 करोड़ रुपए अलग अलग मदों में निगम ने खर्च किए।

मुंबई, नागपुर सहित अन्य शहरों के 5 बड़े कंसल्टेंट नियुक्त किए, लेकिन काम ठीक से नहीं किया गया। काम करने में हुई गड़बड़ी के कारण उन्हें दोबारा ठीक करवाया गया, जिस पर निगम ने अतिरिक्त 55 करोड़ खर्च कर दिए। नाला टैपिंग के लिए तो निगम को 120 करोड़ का लोन तक लेना पड़ा। नदी- नालों के 433 और 1331 आउट फॉल्स बंद भी किए गए, बावजूद कान्ह के जरिये शिप्रा में गंदा पानी ही मिल रहा है।

जेएनएनयूआरएम, नाला टैपिंग, सिंहस्थ 2016 और अमृत योजना के तहत सीवर लाइन डाली गई और अभी भी निगम शहर में 80 से 90 करोड़ की लागत से सीवर का काम करवा रहा है। नमामि गंगे के तहत 500 करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। शिप्रा शुद्धिकरण के लिए सरकार को 615 करोड़ का प्रस्ताव अलग से भेज दिया है। सारी गड़बड़ी ड्रेनेज विभाग में हुई। 10 से ज्यादा शिकायतें पीएम और सीएम तक भी पहुंची सरस्वती नदी में मिलने वाले सीवरेज के आउट फॉल्स की टैपिंग के लिए दोनों ओर 15 किमी की लाइनें बिछाकर आउट फॉल्स ट्रैप किए गए। वहीं कान्ह नदी में दोनों किनारों पर 10.74 किमी लाइनें बिछाकर आउट फॉल्स को ट्रैप किया गया। 433 आउट फॉल्स और 6 प्रमुख नालों (पलासिया नाला, पीलियाखाल नाला, आजाद नगर नाला, भमोरी नाला, तुलसी नगर नाला, नरवल नाला) के 1313 आउट फॉल्स को ट्रैप किया गया। बावजूद मैला पानी नदी में बहता रहा। आज भी बह रहा है। अभ्यास मंडल के शिवाजी मोहिते बताते हैं इस मामले में कई सालों से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को कम से कम 10 पत्र लिख चुके हैं। खराब काम, फिर भी कंपनियों से वसूली नहीं कर पाए दरअसल, निगम ने जमीन में डलने वाले पाइपों का भौतिक सत्यापन नहीं करवाया। यही वजह है कि जब नागार्जुन कंस्ट्रक्शन कंपनी ने लाइनों का नेटवर्क बिछाया और प्राइमरी-सेकंडरी लाइनों को डालने में दिक्कत आई तो 55 करोड़ और खर्च किए गए। जब इसके खिलाफ शिकायतें हुईं तो निगम ने जवाब दे दिया कि इस 55 करोड़ की वसूली लाइन डालने वाली कंपनियों और निगम के इंजीनियरों से की जाएगी। इसके लिए सभी को नोटिस भी दिए गए लेकिन कुछ नहीं हुआ। सीवर लाइनों में रुकावटें, लेवल डिफरेंस की समस्याएं पता चलने पर सुधार का काम करवाया गया।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती
शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

आरबीआई ने तीन महीने में खरीदा 19 टन सोना

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल को 835 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस को जुर्माने व ब्याज के साथ 835 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस मिला है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया कि महाराष्ट्र कर विभाग की ओर से उसे यह नोटिस मिला है। इसमें 380 करोड़ रुपये जीएसटी है। जुर्माना व ब्याज 416 करोड़ रुपये व 38 करोड़ रुपये है। कंपनी ने कहा, नोटिस उसे इनपुट टैक्स क्रेडिट के मामले में मिला है। इसमें जीएसटीआर-3 बी, जीएसटीआर-9 व जीएसटीआर 2ए और इनपुट टैक्स क्रेडिट में विसंगतियां पाई गई हैं। साथ ही, फिक्स्ड संपत्तियों की बिक्री पर कर का भी मामला जुड़ा है।

आरबीआई ने तीन महीने में खरीदा 19 टन सोना

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई की खरीदारी बढ़ाने से भी देश में सोने की मांग बढ़ी है। केंद्रीय बैंक ने जनवरी-मार्च, 2024 तिमाही में कुल 19 टन सोना खरीदा है। 2023 में पूरे साल के दौरान उसने 16 टन की खरीदारी की थी। आरबीआई ने आगे भी खरीदारी जारी रखने का संकेत दिया है।

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में बढ़कर 5.2 फीसदी; फरवरी की तुलना में कम

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन की वृद्धि दर मार्च, 2024 में सालाना आधार पर बढ़कर 5.2 फीसदी पर पहुंच गई।हालांकि, यह वृद्धि दर इस साल फरवरी के 7.1 फीसदी की तुलना में कम है।मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, आठ प्रमुख उद्योगों कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट व बिजली की वृद्धि दर मार्च, 2023 में 4.2 फीसदी रही थी। इन क्षेत्रों में उत्पादन की वृद्धि दर बीते वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 7.5 फीसदी रही थी।यह इससे पिछले वित्त वर्ष 2022-23 के 7.8 फीसदी की तुलना में कम है। ये आठ प्रमुख क्षेत्र देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 फीसदी का योगदान करते हैं।

उद्योगों को बैंक कर्ज में 8.5 फीसदी की बढ़ोतरी :आरबीआई

बैंकों की ओर से उद्योगों को दिएगएकर्ज में मार्च, 2024 में 8.5 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, पर्सनल लोन में वृद्धि कम होकर 17.7 फीसदी रह गई।एक साल पहले की समान अवधि में वृद्धि दर क्रमशः 5.6 फीसदी और 21 फीसदी रही थी। आरबीआईके मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों का कर्ज एक साल पहले के 15.4 फीसदी से बढ़कर 20.1 फीसदी पहुंच गया।सेवा क्षेत्र को कर्ज भी 19.6 फीसदी से बढ़कर 20.2 फीसदी पहुंच गया।

यूको बैंक में हिस्सेदारी घटाएगी केंद्र सरकार

सरकार यूको बैंक में चालू वित्त वर्ष के दौरान कई चरणों में हिस्सा घटाकर 75 फीसदी तक ला सकती है। अभी 95.39 फीसदी हिस्सा है। सेबी के मुताबिक, सूचीबद्ध कंपनियों में प्रवर्तक का हिस्सा 75 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए। बैंक के पास अगस्त तक समय है।

सेंट्रल बैंक का लाभ 41 फीसदी बढ़ा, एनपीए घटा

बुरे फंसे कर्जों के घटने से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का मुनाफा मार्च तिमाही में 41 फीसदी बढ़कर 807 करोड़ रुपये पहुंच गया है। ब्याज से कमाई 8,337 करोड़ रही है। शुद्ध एनपीए कम होकर 1.23 फीसदी पर रहा।

आरईसी को 4,079 करोड़ का फायदा

रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) को मार्च तिमाही में 4,079 करोड़ का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही की तुलना में 33 फीसदी अधिक है। पूरे वित्त वर्ष में लाभ 14,145 करोड़ और आय 47,571 करोड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

टोयोटा की अप्रैल में बिक्री 32 प्रतिशत बढ़कर 20,494 यूनिट पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की अप्रैल महीने में थोक बिक्री सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 20,494 यूनिट हो गई। कंपनी ने अप्रैल 2023 में 15,510 यूनिट बेची थी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एक बयान में कहा कि परिचालन क्षमता, उत्पादकता और सुरक्षा को बनाए रखने के वास्ते मशीनरी तथा उपकरणों के रखरखाव के लिए छह अप्रैल से एक सप्ताह के रखरखाव बंद के बावजूद वृद्धि गति बरकरार रही। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 18,700 यूनिट रही, जबकि निर्यात कुल 1,794 यूनिट रहा। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अध्यक्ष सबरी मनोहर ने कहा, ''हमारी उत्पाद रणनीति विविध खंड के दम पर बाजार के साथ मजबूत संबंध को दर्शाती है।''

हुंदै की बिक्री अप्रैल में 9.5 प्रतिशत बढ़कर 63,701 इकाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वाहन विनिर्माता कंपनी हुंदै मोटर इंडिया की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत बढ़कर 63,701 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता ने अप्रैल 2023 में 58,201 इकाइयों की बिक्री की थी। घरेलू थोक बिक्री अप्रैल में एक प्रतिशत बढ़कर 50,201 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 49,701 इकाई थी। इस साल अप्रैल में निर्यात 59 प्रतिशत बढ़कर 13,500 इकाई हो गया, जबकि अप्रैल 2023 में यह 8,500 इकाई था। हुंदै मोटर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा कि कंपनी ने इस साल लगातार चौथे महीने 50,000 से अधिक की घरेलू बिक्री दर्ज की। उन्होंने कहा कि क्रेटा, वेन्यू और एक्सटर जैसे मॉडल के दम पर एसयूवी खंड का घरेलू बिक्री में योगदान 67 प्रतिशत रहा।

पहले ही दिन दोगुना हुआ पैसा, एम्मफोर्स ऑटोटेक के आईपीओ में निवेशक मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। एम्मफोर्स ऑटोटेक लिमिटेड की शेयर बाजार में जोरदार एंट्री हुई है। एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर 90 पर्सेंट के फायदे के साथ 186.20 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर निवेशकों को 98 रुपये में मिले थे। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 23 अप्रैल को खुला था और यह 25 अप्रैल 2024 तक दांव लगाने के लिए ओपन रहा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 53.90 करोड़ रुपये का था। लिस्टिंग के ठीक बाद एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयर 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 195.51 रुपये पर पहुंच गए हैं। यानी, एम्मफोर्स ऑटोटेक के शेयरों ने लिस्टिंग वाले दिन ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है। आईपीओ में जिन निवेशकों को कंपनी के शेयर अलॉट हुए हैं, उन्हें पहले ही दिन हर शेयर पर 97.51 रुपये का तगड़ा फायदा हो रहा है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की

Government Of Romania To Offer Scholarships To Indian Students

The Ministry of Education has issued a notification about scholarships being offered to Indian students by the Government of Romania. Under the aegis of the Cultural Exchange Programme, the Government of Romania is awarding scholarships to 20 Indian students for the period 2022-27.

The scholarships will be awarded to students for Bachelor's, Master's and Doctoral courses in various university studies or research stages except medical studies. Interested and eligible candidates can submit the application forms by May 26, 2024. The complete details are available on the official website of the Ministry of Education.

Grants awarded

The scholarship grants for Bachelor's and Master will be offered for accredited education programmes in Romanian language. The grants for Doctoral studies can also be offered for accredited education programms in English or French.

The grant will cover the tuition and enrolment fees, accommodation in student dormitories within the limit of the allocated subsidy, monthly scholarship allowance, medical assistance in case of medical surgical emergencies and potentially endemic disease. The candidates will also benefit from reduced fares for rail and local public transportation, as applied for Romanian students.

Eligibility criteria

Candidates who do not hold Romanian citizenship or the citizenship of a European Union/Swiss Confederation/European Economic Area member state are eligible for the grant. The applicant must not be benefitting from a scholarship granted by Romania for the same study level. They must have good results namely an average of 7 registered in their previous education degree.

Candidates must not be above 35 years old - for Bachelor and Master Studies, and above 45 years old for PhD studies or for post-university studies.

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई एआई की बदौलत अरबपति बनने के करीब

वॉशिंगटन , एजेंसी। अल्फाबेट और गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। पिचाई के नेतृत्व में कंपनी के शेयरों में 400 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जिसने बाजार के रुझान को भी पीछे छोड़ दिया है। हाल ही में कंपनी की पहली तिमाही की आय उम्मीदों से बेहतर रही और उसने पहली बार इतना मुनाफा दर्ज किया है। इन सबका फायदा पिचाई को हो रहा है। उन्हें दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सीईओ में से एक बना दिया है।

पिछले करीब नौ सालों से गूगल के सीईओ के रूप में पिचाई काम कर रहे हैं। वह अगस्त 2015 में गूगल के सीईओ बने थे। अब कंपनी के शेयर में 400 फीसदी से अधिक उछाल आया है। यह एसएंडपी 500 और नैस्डैक से काफी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। कंपनी की पहली तिमाही की आय उम्मीदों से कई गुना बेहतर रही। बताया जा रहा है कि कंपनी को क्लाउड कंप्यूटिंग इकाई में एआई-संचालित वृद्धि से बढ़ावा मिला है। कंपनी ने अपने इतिहास में पहली बार इतना मुनाफा कमाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, शेयरों के भारी उछाल ने सुंदर पिचाई को दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सीईओ में से

एक बना दिया है। उनकी संपत्ति लगभग एक अरब डॉलर हो गई है। हालांकि, इन सब खबरों पर गूगल के एक प्रवक्ता ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

कौन हैं सुंदर पिचाई

भारतीय मूल के सुंदर पिचाई का वास्तविक नाम सुंदरराजन है। उनका जन्म तमिलनाडु के मदुरै में 1972 में हुआ था, लेकिन वो चेन्नई में पले-बढ़े। उनकी मां लक्ष्मी एक स्टेनोग्राफर और पिता रघुनाथ पिचाई इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे। बताया जाता है कि वे एक छोटे से दो कमरों वाले अपार्टमेंट में रहते थे। यहां वह और छोटे भाई फर्श पर सोते थे। एक इंटरव्यू में पिचाई ने बताया था कि उनके बचपन के अधिकांश समय में उनके पास टेलीविजन या कार जैसी सुविधाएं नहीं थीं। कभी-कभी उनके घर में पानी भी नहीं होता था। 12 साल की उम्र में, उनके परिवार को पहला रोटरी टेलीफोन मिला।

पिचाई का कहना है कि इसी टेलीफोन ने उन्हें टेक्नॉलजी की दुनिया से परिचित कराया। वह अपने पिता, जो ब्रिटिश समूह जीईसी में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर थे, के काम को देखकर टेक इंडस्ट्री की ओर आकर्षित हुए। उन्होंने स्कूल में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और खड़गपुर के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। आईआईटी खड़गपुर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद, सुंदर पिचाई को अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से स्कॉलरशिप मिली। यह उनके लिए एक बड़ा मौका था, लेकिन अमेरिका जाने का खर्च उठाना उनके परिवार के लिए आसान नहीं था। पिचाई के पिता ने अपने बचाए हुए एक हजार डॉलर से उन्हें अमेरिका भेजा। पिचाई ने साल 2014 में दिए एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके माता-पिता ने वही किया जो कोई भी अभिभावक करता। उन्होंने अपने पूरे जीवन की बचाई हुई कमाई अपने बच्चे को पढ़ाने में लगा दी।

पिचाई ने गूगल को दिया था ये सुझाव

अप्रैल 2004 में सुंदर ने गूगल ज्वाइन किया था। गूगल में सुंदर पिचाई पहला प्रोजेक्ट प्रोडक्ट मैनेजमेंट और इनोवेशन शाखा में दिया गया। यहां उन्हें गूगल के सर्च टूल को बेहतर बनाने और दूसरे ब्रॉउजर के यूजर्स को गूगल पर लाने का काम दिया गया था। इसी दौरान सुंदर ने कंपनी को सुझाव दिया कि गूगल को अपना ब्राउजर लॉन्च करना चाहिए।

गूगल का एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम बनाने और 2008 में लॉन्च हुए गूगल क्रोम में सुंदर की अहम भूमिका रही। ऐसे काम और अपने आइडिया से वह गूगल के संस्थापक लैरी पेज की नजरों में आए। गूगल में प्रोडक्ट चीफ, एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम प्रमुख जैसे पदों पर रहने के बाद साल 2015 में उन्हें कंपनी का सीईओ बनाया गया।

सीईओ बनने के बाद से गूगल के उत्पाद में भारी विस्तार

पिचाई के सीईओ बनने के बाद से गूगल के उत्पाद में भारी विस्तार हुआ है, जिसमें गूगल असिस्टेंट, गूगल होम, गूगल पिक्सल और गूगस वर्कशॉप शामिल हैं। वे आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने वालों में सबसे आगे थे। हालांकि, अल्फाबेट के एआई प्रोजेक्ट की आलोचना हुई है और कुछ निवेशकों ने ओपनएआइ के साथ प्रतिस्पर्धा करने की उनकी काबिलियत पर सवाल उठा दिए थे। फिर भी, पिछले हफ्ते की कमाई ने संकेत दिया कि कंपनी के एआई में किए गए निवेश का अब फायदा मिलना शुरू हो गया है।

पिचाई की कुल संपत्ति में मौजूदा शेयरों का मूल्य 42.4 करोड़ डॉलर और सीईओ बनने के बाद बेचे गए शेयरों से लगभग 60 करोड़ डॉलर शामिल है। माना जाता है कि बेचे गए शेयरों पर टैक्स चुकाया गया और फिर से शेयर बाजार में निवेश कर दिया गया। गूगल में पिचाई के साथ शुरुआती दिनों में उनके साथ काम करने वाले नरेंद्र देसाई का कहना है कि पिचाई का अरबपति बनना इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने कंपनी के टॉप पद पर रहते हुए कितना काम किया है। उन्होंने कहा, इससे मुझे सबसे पहले यह पता चलता है कि उन्होंने शेयरधारकों के लिए सही काम किया है। उन्हें लाभ हुआ है क्योंकि गूगल के शेयरों ने वाकई अच्छा प्रदर्शन किया है।

CBSE expected to release Class 10 and 12 results in mid-May

The Central Board of Secondary Education (CBSE) has not been releasing the merit list and division wise marks of students while announcing the board results since last few years. The decision is aimed at avoiding 'unhealthy competition' among students. The decision to not to release the merit list for board results was first taken during the pandemic induced lockdown when results for the students were prepared using marks secured in online exams.

The board this year will also not award any division or distinction to students. For students who have opted for more than five subjects, the decision to decide the best five subjects for calculating marks of the students will rest solely with the admitting college. The board, however, awards merit to 0.1% top scoring students.

CBSE is expected to announce the results for Classes 10 and 12 board exams in mid-May. Once released, the students will be able to check their results on the official website of the CBSE. They will be required to enter their roll number and admit card ID to access the results on the official website.

While CBSE has not made any official confirmation, the results for the board exams are usually declared in the month of May. In 2023, CBSE had announced the results for Class 10 and 12 board exam on May 12, 2023. This year too the board is expected to release the results for Class 10 around the first week of May. While, the results for Class 12 can be announced during the second week of May.

CBSE conducted Class 10 board exams from February 15, 2024 to March 13, 2024. The class 12 examinations were conducted from February 15 to April 2, 2024. A total of 39 lakh students from 26 countries took the examinations this year. In the national capital, the exams were held at 877 centres, with 5.80 lakh students appearing.

महंगा हो सकता है हवाई सफर

नई दिल्ली। एटीएफ की कीमत में मामूली 0.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के बाद अनुमान लगाया जा रहा है कि हवाई सफर महंगा हो सकता है। हालांकि, तेल कंपनियों ने होटल और रेस्तरां जैसे जगह पर इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की दरों में अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप 19 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की।राज्य के स्वामित्व वाले ईंधन खुदरा विक्रेताओं की मूल्य अधिसूचना के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टरबाइन ईंधन की कीमत 749.25 रुपये प्रति किलोलीटर या 0.7 प्रतिशत बढ़कर 101,642.88 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। बुधवार को मुंबई में दरें 94,466.41 रुपये से बढ़कर 95,173.70 रुपये प्रति किलोलीटर हो गईं।स्थानीय करों के प्रभाव के आधार पर कीमतें अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न होती हैं। 1 अप्रैल 2024 को तेल कंपनियों ने एटीएफ की कीमतों में मामूली 0.5 प्रतिशत की कटौती की थी।

चमेली देवी कॉलेज का शिक्षक गिरफ्तार, आरोपी ने छात्रों से फीस लेकर कॉलेज में जमा नही कराकर खेल लिया था ऑनलाइन जुआ-सट्टा

इन्दौर. शहर में लोगों के साथ धोखाधड़ी एवं अमानत में खयानत करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-01 इंदौर विनोद मीना के मार्गदर्शन व अति. पुलिस उपायुक्त जोन-01 आलोक कुमार शर्मा एवं सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग आजाद नगर आशीष पटेल के दिशा निर्देशन में कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना तेजाजीनगर द्वारा कॉलेज के छात्रो से फीस ले, लगभग 10 लाख रुपये का गबन करने वाले, चमेली देवी कॉलेज के आरोपी शिक्षक को पकड़ा गया है। पुलिस थाना तेजाजी नगर पर 29/04/2024 को चमेलीदेवी कालेज के प्रिंसीपल सुभाष धांडे के व्दारा महाविद्यालय के शिक्षक राहूल कौल नि.सुखलिया इंदौर के विरुध्द कालेज मे अध्ययनरत 30 छात्रो से लगभग 10 लाख रुपये फीस लेकर गबन करने की शिकायत की थी। आरोपी ने महाविद्यालय में फीस जमा कराने के आश्वासन के आधार पर छात्रों से फीस प्राप्त कर ली किंतु महाविद्यालय में जमा नही करायी। विगत दिनो जब छात्रों के परीक्षा फार्म भरे जा रहे थे तब छात्रों से फीस के संबंध में पूछताछ करने पर महाविद्यालय प्रशासन के संज्ञान में आया की महाविद्यालय के शिक्षक राहुल ने बच्चों का भविष्य दांव पर लगाकर महाविद्यालय के छात्रों से फीस की राशि लगभग 10 लाख रुपये व्यक्तिगत रुप से लेकर महाविद्यालय में जमा नही कराई तथा जुआ सट्टा खेल लिया। प्राचार्य के द्वारा राहुल कौल को बच्चों से प्राप्त की गयी फीस को महाविद्यालय में जमा करने के लिये बोला तो राहुल कौल आत्महत्या की धमकी देने लगा। प्राचार्य की शिकायत पर थाना तेजाजी नगर में आरोपी राहुल कौल के विरुद्ध अपराध धारा 420,406 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस टीम द्वारा पतारसी कर आरोपी को 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बच्चों से प्राप्त फीस को कॉलेज में जमा नही कर, उन रुपयों से ऑनलाइन जुआ सट्टा खेले जाने की बात स्वीकार की है। आरोपी को गिरफ्तार किया जाकर विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी तेजाजी नगर करणदीप सिंह (भा.पु.से.), एवं सउनि महेश श्रीवास्तव तथा आरक्षक अभिनव का सराहनीय योगदान रहा।

हेल्थ सेक्टर में हैं कॅरियर की अपार संभावनाएं

हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। एक सर्वे के अनुसार, साल 2025 तक देश में 10 लाख से अधिक हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत पड़ेगी।

आजकल के समय में कॅरियर को लेकर युवा काफी ज्यादा परेशान होते हैं। ऐसे में हेल्थ केयर सेक्टर युवाओं के लिए बेहद शानदार है। फिलकाल इस क्षेत्र में काफी कम लोग हैं। वहीं कोरोना महामारी के बाद इस सेक्टर के प्रति लोगों की जागरुकता बढ़ी है। हेल्थ सेक्टर जीवनदाता के रूप में उभरा है। ऐसे ही सेक्टर में कई विधाओं में कोर्स हैं, जिसमें से हॉस्पिटल मैनेजमेंट या हेल्थ केयर मैनेजमेंट कॅरियर के तौर पर एक बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है।

जानिए क्या है हास्पिटल मैनेजमेंट

हास्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के तहत आता है। इस सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स मानते हैं कि हेल्थ से संबंधित सर्विसेस के विस्तार से हास्पिटल मैनेजमेंट में काम बढ़ गया है। इस सेक्टर में व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने के साथ ही पैनी नजर भी बनाए रखना होता है। वहीं मरीजों को इलाज में बेहतर सुविधा मिले इसकी भी कोशिश करनी होती है। आधुनिक उपकरणों और नई-नई तकनीक की व्यवस्था करना और अच्छे डाक्टरों को जोड़ना हॉस्पिटल मैनेजमेंट के दायरे में आता है। इसके अलावा किसी हादसे के होने पर इन्हीं प्रोफेशनल्स को इसका जिम्मा उठाना पड़ता है। कर्मचारियों की सुविधा और हॉस्पिटल की वित्तीय व्यवस्थाओं आदि का कार्य भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट में आता है। आपको बता दें कि हॉस्पिटल मैनेजमेंट में कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार भी इन कोर्स के दायरे में आता है।

कोर्स

- सर्टिफिकेट कोर्स इन हेलथ केयर क्वालिटी मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन
- ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पोस्ट ग्रेजुएशन इन हास्पिटल मैनेजमेंट
- पीजी डिप्लोमा इन इमरजेंसी मेडिसिन
- एमबीए इन हास्पिटल मैनेजमेंट

बैचलर कोर्स

- 12वीं में साइंस होने के साथ 50 प्रतिशत के साथ

पीजी कोर्स

- ग्रेजुएशन इन हास्पिल मैनेजमेंट
- एमफिल या पीएचडी
- पीडी हास्पिटल मैनेजमेंट

जॉब के अवसर

इस कोर्स को कर आप सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में नौकरी पा सकते हैं। जैसे आपकी इंटरनेशनल और डोमेस्टिक हेल्थ केयर इंस्टीट्यूट, अस्पताल के क्षेत्र में, हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी, नर्सिंग होम में नौकरी लग सकती है। इसके साथ ही वाक हार्ट, मैक्स, फोर्टिस, टाटा, अपोलो अस्पताल, डंकन, विप्रो, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, फोर्टिस हेल्थ केयर लिमिटेड, अपोलो हेल्थ केयर जैसी बड़ी कंपनियों में भी जॉब कर सकते हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान में बना सकते हैं शानदार करियर

आज का दौर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का है। इसके कारण जमीन से लेकर आसमान तक पहुंचना आसान बना दिया है। साथ ही इस टेक्नोलॉजी के कारण युवाओं के लिए नए-नए करियर विकल्प भी खुल रहे हैं, इन्हीं में से एक है स्पेस साइंस। अगर आपको भी अनंत आकाश अपनी ओर आकर्षित करता है और आप ब्रह्माण्ड के रहस्य सुलझाना चाहते हैं, तो इस फील्ड में आप अपना शानदार करियर बना सकते हैं।

आज के समय में भारत का अंतरिक्ष प्रोग्राम बहुत विकसित हो गया है। इस समय भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) न केवल भारत का उपग्रह अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक स्थापित कर रहा है, बल्कि वह विकसित देशों के उपग्रह भी नियमित रूप से अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक भेज रहा है। जिसके कारण यहां के युवा वैज्ञानिकों के लिए भारतीय व विदेशी अंतरिक्ष विज्ञान के दरवाजे खुलने लगे हैं।

क्या है स्पेस साइंस?

'स्पेस साइंस' साइंस की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत पृथ्वी से परे करोड़ों ग्रहों, उपग्रहों, तारों, धूमकेतुओं, आकाशगंगाओं एवं अन्य अंतरिक्षीय पिंडों का अध्ययन किया जाता है। इसके अलावा स्पेस साइंस के अंतर्गत उन नियमों एवं प्रभावों का भी अध्ययन किया जाता है, जो इन्हें संचालित करते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में करियर उन हजारों रहस्यों से पर्दा उठाने का अवसर भी होता है, जो अभी तक अनसुलझे हैं। यह न केवल वैज्ञानिक स्वभाव की परीक्षा होती है, बल्कि आपकी जिज्ञासाएं भी शांत होती जाती हैं।

स्पेस साइंस में करियर का शानदार ऑप्शन

स्पेस साइंस या स्पेस टेक्नोलॉजी बेहद व्यापक फील्ड है। इसके तहत एस्ट्रोनॉमी व एस्ट्रोफिजिक्स, प्रामेट्ररी एटमॉस्फेयर और एयरोनॉमी, अर्थ साइंस और सोलर सिस्टम का कोर्स कराया जाता है। आज के दौर में स्पेस साइंस की कई सब-ब्रांचेज भी हैं। इनमें से मुख्य है कॉस्मोलॉजी, स्टेलर साइंस, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोलॉजी आदि। साइंस और इंजीनियरिंग की ये शाखाएं अंतरिक्ष के चारों तरफ घूमती हैं। इस आर्टिकल के माध्यम से आइए उन विभिन्न करियर पर एक नजर डालते हैं जिन्हें आप चुन सकते हैं।

एस्ट्रोनॉमी

एक एस्ट्रोनॉमी का कार्य आउटर स्पेस का रिसर्च करना है। इसमें आकाशगंगा, सौर मंडल, तारे, ब्लैक होल, ग्रह आदि शामिल होता है। जिस पर रिसर्च कर एस्ट्रोनॉमी यहां पर होने वाली घटनाओं का पता लगाते हैं।

एस्ट्रोनॉट

ये वे खास लोग होते हैं, जो अंतरिक्ष में कदम रखकर अपने सपनों को पूरा करते हैं। ये स्पेस स्टेशन पर रहकर विभिन्न रिसर्च करते हैं। इनका कार्य बहुत मुश्किल होता है। इन्हें स्पेस स्टेशन में महीनों रहना पड़ता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी

स्पेस टेक्नोलॉजी का करियर भी बेहद शानदार होता है। इसमें स्पेसक्रॉफ्ट, सेटेलाइट, स्पेस स्टेशन, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर इक्यूमेंट और स्पेस वॉर में शामिल होने वाले विभिन्न इक्यूमेंट को डिजाइन करने का कार्य होता है।

इंजीनियरिंग

एक एस्ट्रोनॉट लोगों के बीच ज्यादा पॉपुलर हो सकता है, लेकिन एक इंजीनियर स्पेस रिसर्च में पूरे अभियान की जान होता है। ये अभियान से जुड़े सभी इक्यूमेंट का डिजाइन करते हैं। इन इंजीनियरों के लिए एयरोस्पेस, रोबोटिक्स (थिंक मार्स रोवर्स), कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मटेरियल साइंस के साथ ही मैकेनिकल और टेलीकॉम इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं।

स्पेस रिसर्च

स्पेस रिसर्च में विभिन्न फील्ड के लोग शामिल होते हैं। जैसे- एस्ट्रोफिजिसिस्ट (खगोलविद जो खगोलीय पिंडों का अध्ययन करते हैं), बायोलॉजिस्ट (ये स्पेस में रहने पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करते हैं), बायोकैमिस्ट और बायोफिजिसिस्ट (सभी तरह के रासायनिक और भौतिक पहलुओं को देखते हैं), जियोलॉजिस्ट (पृथ्वी की भौतिक प्रकृति का अध्ययन और विश्लेषण) और एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट (दूसरे ग्रहों पर जीवन के संभावना का अध्ययन करते हैं) यह सभी स्पेस साइंटिस्ट के उदाहरण हैं। रिसर्च के अलावा भी कई विकल्प हैं, जैसे आप अंतरिक्ष भौतिकी के एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में काम कर सकते हैं और अंतरिक्ष यान से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण में भी शामिल हो सकते हैं।

स्पेस लॉ

यह अंतरिक्ष से संबंधित गतिविधियों को नियंत्रित करने वाला लॉ है। इसमें समझौतों, सम्मेलनों, संधियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नियमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। आज के समय में जिस तरह स्पेस में भीड़ बढ़ रही हे, उसको देखकर स्पेस लॉ में करियर के ऑप्शन बढ़ते जा रहे हैं।

स्पेस टूरिज्म

यह सबसे तेजी से उभरता हुआ टूरिज्म है। इस फील्ड में कई नई कंपनियां आ रही हैं। यहां पर करियर बनाने का शानदार मौका है। आज के समय में इस क्षेत्र में लगे कुछ बड़े खिलाड़ी वर्जिन गेलेक्टिक, स्पेसएक्स, ब्लू ओरिजिन, ओरियन, ओरियन स्पैन (स्पेस होटल) और बोइंग हैं।

स्पेस आर्किटेक्ट

इसे भविष्य का जॉब कहा जा सकता है। जिस तरह से स्पेस टूरिज्म बढ़ रहा है, उससे स्पेस आर्किटेक्ट की जरूरत पड़ने लगी है। इनका कार्य स्पेस में रहने के लिए योग्य वातावरण पर रिसर्च करना और डिजाइन तैयार कर निर्माण करना है। कुछ कंपनियों का निकट भविष्य में अंतरिक्ष होटल बनाने की योजना है।

स्पेस मेडिसिन

इनका कार्य आउटर स्पेस से लौटने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर रिसर्च करने के साथ उनका इलाज करना है। इसके एक बड़े हिस्से में जीरो ग्रेविटी के कारण वेटलेसनेस और मनोवैज्ञानिक प्रभाव के कारण होने वाले शारीरिक परिवर्तनों पर रिसर्च होता है।

जैमोलॉजी की फील्ड में कमाई के मिलेंगे बेहतरीन अवसर

अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए।

समय के साथ ही कॅरियर के ऑप्शन में भी काफी बदलाव आ चुका है। ऐसे कई नए-नए कोर्स आ रहे हैं, जिनको कर युवा पीढ़ी पारंपरिक पढ़ाई के साथ इस कोर्सेज को कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकें। ऐसा ही एक ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स है। इस कोर्स को कर युवा पीढ़ी अपना भविष्य संवार सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव हैं, तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं।

ज्वैलरी डिजाइनिंग के कोर्स में आप अपने काम के प्रति लगाव और कुछ नया करने की सोच को शामिल करते हैं। वहीं डिजाइनिंग सेंस के अलावा आपको विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी भी होनी चाहिए। इस फील्ड में सक्सेज पाने के लिए आपकी कल्पनाशीलता के साथ मार्केट रिसर्च भी अच्छा होना चाहिए। आपको बता दें कि ज्वैलरी डिजाइनर के मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल व पैटर्न को अच्छा बनाना व सेट करना होता है। इसके लिए आपको कोरल ड्रा, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर, ऑटो कैड और 3डी स्टूडियो जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। ऐसे में अगर आप भी 10वीं कर चुके हैं तो आप ज्वैलरी डिजाइनिंग के शार्ट टर्म कोर्स कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ज्वैलरी डिजाइनिंग के सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन कोर्सेज को कर इस फील्ड में अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

- कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
- बेसिक ज्वैलरी डिजाइन

बीएससी कोर्स

- बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन
- बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जैमोलॉजी
- ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

यहां से करें कोर्स

- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

प्लांट पैथोलॉजी उन लोगों के लिए एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है, जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं।

बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता है प्लांट पैथोलॉजिस्ट

पौधे मनुष्य जीवन का आधार है। हालांकि यह बेहद जरूरी है कि पौधों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए। मनुष्यों और जानवरों की तरह, पौधे भी संक्रामक रोगों से प्रभावित हो सकते हैं और कमजोर हो सकते हैं। ये रोग पौधों के रोगजनकों नामक जीवित जीवों के कारण होते हैं जिनमें कवक, बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी पौधे शामिल हैं। इसके अलावा वायु प्रदूषण और विभिन्न पर्यावरणीय कारकों के चलते भी कई बार पौधे कमजोर हो जाते हैं। पौधों को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी है क्योंकि यह हमारी खाद्य श्रृंखला का आधार है। ऐसे में प्लांट पैथोलॉजिस्ट की जरूरत पड़ती है। तो चलिए विस्तारपूर्वक जानते हैं इस करियर क्षेत्र के बारे में-

क्या है प्लांट पैथोलॉजी

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि प्लांट पैथोलॉजी जिसे फाइटोपैथोलॉजी के रूप में भी जाना जाता है, पौधों में रोगों के अध्ययन से संबंधित है और पौधे संरक्षण विज्ञान की उप शाखाओं में से एक है। पादप संरक्षण विज्ञान कृषि विज्ञान की वह शाखा है जो पौधों को स्वस्थ रखने के तरीकों का अध्ययन करती है, विशेष रूप से उच्च उत्पादन के उद्देश्य से उन्हें विभिन्न नुकसानों से बचाती है। प्लांट पैथोलॉजी उन लोगों के लिए एक उपयुक्त कॅरियर है, जिनकी कृषि और जैविक क्षेत्रों में गहरी रुचि है। प्लांट पैथोलॉजी में अध्ययन मुख्य रूप से बढ़ते पौधों पर ध्यान केंद्रित करता हैय जीवों और एजेंटों को समझना जो बीमारियों का कारण बनते हैं। पौधे की पैथोलॉजी का क्षेत्र अन्य जैविक क्षेत्रों जैसे कि माइक्रोबायोलॉजी, माइकोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, जैव-सूचना विज्ञान, वायरोलॉजी आदि से जुड़ा हुआ है। कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि जो लोग पौधे के स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेषज्ञ होते हैं उन्हें प्लांट पैथोलॉजिस्ट या पौधे रोगविज्ञानी के रूप में जाना जाता है। पादप रोगविज्ञानी का प्रमुख कार्य पौधों को उनके द्वारा संक्रमित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और रोककर स्वस्थ रखना है। वे उपयोगी विधियों जैसे कि दवाइयां विकसित करना, पर्यावरण में स्थितियों को बदलना आदि के द्वारा रोग को नियंत्रित करने का प्रयास करते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि वनस्पति विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, बागवानी, मृदा विज्ञान, फसल विज्ञान, आनुवांशिकी, पारिस्थितिकी, आणविक जीव विज्ञान, जैव रसायन में ग्रेजुएट कोर्स के बाद प्लांट पैथोलॉजी में कॅरियर बनाया जा सकता है। कुछ बीएससी कोर्स प्लांट पैथोलॉजी में स्पेशलाइजेशन भी प्रदान करते हैं। कई कृषि विश्वविद्यालय प्लांट पैथोलॉजी में बीएससी ग्रेजुएशन कोर्स ऑफर करते हैं। स्नातक कोर्स के बाद आप प्लांट पैथोलॉजी में मास्टर्स और डॉक्टरेट की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं।

पर्सनल स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों को कड़ी मेहनत से डरना नहीं चाहिए और उनमें धैर्य होना भी उतना ही जरूरी है। इसके अलावा आपका अपने काम के प्रति जुनून ही आपको आगे तक लेकर जाएगा। विश्लेषणात्मक और अनुसंधान कौशल, संचार कौशल, उनके विचारों को समझने और व्यक्त करने की क्षमता भी आवश्यक प्रमुख गुण हैं। इसके अलावा, निर्णय लेने की क्षमता, टीम में काम करने का कौशल व सभी चुनौतियों को सामना करने के लिए आपको तैयार रहना चाहिए।

देश की कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। वे अन्य विशेषज्ञों जैसे प्लांट प्रजनक, खरपतवार विशेषज्ञ आदि के साथ मिलकर काम करते हैं। अनुसंधान, उत्पाद विकास, बिक्री, शिक्षण, प्रशासन, नियामक कार्य और निजी अभ्यास जैसे क्षेत्रों में पादप रोगविदों के लिए कई रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। प्लांट पैथोलॉजी में स्नातक प्लांट जेनेटिकिस्ट, प्लांट ब्रीडर, जलीय वनस्पति विज्ञानी, लिमोनोलॉजिस्ट, फिजियोलॉजिस्ट, प्लांट पैथोलॉजिस्ट आदि के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। इन्हें फार्म और ग्रीनहाउस मैनेजर, पार्क और गोल्फ के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। प्लांट पैथोलॉजिस्ट को एग्रोकेमिकल कंपनियों, बीज कंपनियों, उर्वरक कंपनियों, कृषि परामर्श आदि में नियुक्त किया जाता है। बीज कंपनियों को अधिक प्रतिरोध शक्ति के साथ बेहतर बीज विकसित करने के लिए प्लांट पैथोलॉजिस्ट की मदद की जरूरत होती है, क्योंकि उर्वरक कंपनियां पौधों की बीमारियों से संबंधित तकनीकी समस्याओं को हल करने के लिए उनकी मदद चाहती हैं।

आमदनी

एक प्लांट पैथोलॉजिस्ट का पारिश्रमिक उनकी शैक्षिक योग्यता और अनुभव के आधार पर तय होता है। हालांकि एक फ्रेशर इस क्षेत्र में प्रतिमाह 15000 से 22000 रूपए कमा सकता है। इसके अलावा, एक अनुभवी प्लांट पैथोलॉजिस्ट 45000 से 60000 रूपए प्रति माह की कमाई कर सकता है।

टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की कप्तानी करेंगे राशिद खान

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान ने इस साल जून में वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें राशिद खान टीम का नेतृत्व करेंगे। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान ने 2022 संस्करण की तुलना में अपनी टीम में कुछ बदलाव किए हैं, जिसमें करीम जनत, मोहम्मद इशाक और नूर अहमद को टीम में शामिल किया गया है। हालाँकि, हशमतुल्लाह शाहिदी, जिन्होंने पिछले साल आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 में अफगानिस्तान का नेतृत्व किया था, टीम का हिस्सा नहीं हैं, उनकी आखिरी टी20 उपस्थिति 2022 में थी। इस साल मार्च में आयरलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले युवा नांग्याल खरोती को भी टीम में जगह मिली है। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने उस श्रृंखला में तीन मैचों में केवल 5.90 की इकॉनमी से पांच विकेट लेकर प्रभावित किया।

जगह पक्की करने वाले एक और युवा अफगान खिलाड़ी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद इशाक हैं, जो 2020 और 2022 अंडर19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में अफगानिस्तान की टीम का हिस्सा थे। मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नांग्याल खरोती और अनुभवी मोहम्मद नबी के सहयोग से राशिद स्पिन विभाग का नेतृत्व करेंगे। नवीन-उल-हक, फरीद अहमद और फजलहक फारूक ने अपना स्थान बरकरार रखा है और अफगानिस्तान की तेज गेंदबाजी लाइन-अप बनाई है।

अफगानिस्तान टीम: रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, राशिद खान (कप्तान), नांग्याल खरोती, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद, नवीन-उल- हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक

रिजर्व: सेदिक अटल, हजरतुल्लाह जजई, सलीम सफी

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, स्टीव स्मिथ बाहर, मैकगर्क को भी जगह नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप के लिए सभी क्रिकेट बोर्ड अपनी-अपनी टीमों का ऐलान कर रहे हैं. इस कड़ी में बुधवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने भी अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. इस टीम में सबसे चौंकाने वाला फैसला पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ का नाम नहीं होना है. 34 वर्षीय अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ इस फॉर्मेट में फरवरी में आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेले थे, जहां वह न्यूजीलैंड दौरे पर फ्लॉप रहे थे. स्मिथ उस सीरीज में 11 और 4 रन ही बना पाए थे और इस फॉर्मेट में उनके धीमे स्ट्राइक रेट पर भी बहुत सवाल उठ रहे थे. ऐसे में चयनकर्ताओं ने उन्हें वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं दी है. ऑस्ट्रेलिया मिचेल मार्श के नेतृत्व में 15 सदस्यीय टीम का चयन किया है, जिसमें सीनियर ओपनिंग बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को जगह मिली है.

उम्मीद की जा रही थी कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में 22 वर्षीय युवा बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क को भी जगह मिल सकती है. लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें भी मौका नहीं दिया है. हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे फॉर्मेट से अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले युवा बल्लेबाज इन दिनों इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए धमाकेदार पारियां खेलकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं.

ऐसे में उम्मीद थी कि जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में आयोजित होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय परिस्थितियों जैसे ही हालात होंगे और मैकगर्क आईपीएल में खेलकर वह अनुभव जुटा रहे हैं तो ऐसे में उन्हें मौका मिल सकता है.

15 सदस्यीय इस टीम में टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस, डेविड वॉर्नर, तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ही इस टीम में अनुभवी खिलाड़ी हैं, जबकि टीम में कुल 11 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन्होंने साल 2021 में आयोजित हुए टी20 वर्ल्ड कप में जीत दर्ज की थी.

ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप टीम:

मिचेल मार्श , एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरुन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा.

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए

मेरे दिमाग में तीसरा नाम हमेशा शिवम दुबे का था: इयन बिशप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मंगलवार को टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया. 15 सदस्यीय इस टीम में युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी टीम में चुना गया है. इसके चयन पर वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयन बिशप भी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि मुझे दुबे के चयन का पूरा विश्वास था और जब भी मैं आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर टीम इंडिया के बारे में सोचता था तो मेरे मन में तीसरा नाम शिवम दुबे का ही आता था.

शिवम दुबे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं और वह इन दिनों अपने बल्ले का खूब जलवा दिखा रहे हैं. घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए खेलने वाला यह खिलाड़ी बेहतरीन बल्लेबाजी के साथ-साथ मीडियम फास्ट बॉलिंग भी कर लेता है. हालांकि आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के नियम के चलते उनकी गेंदबाजी देखने को नहीं मिली है लेकिन वह वर्ल्ड कप में अपने इस हुनर से भी योगदान देने को तैयार होंगे

क्योंकि इंम्पैक्ट प्लेयर का यह नियम इंटरनेशनल क्रिकेट में लागू नहीं है. इस सीजन सीएसके के लिए नंबर 4 और 5 पर खेल रहे इस लेफ्टहैंड बल्लेबाज ने कई आकर्षक और उपयोगी पारियां खेली हैं. बिशप भारतीय टीम के चयन के बाद आईपीएल प्रसारक चैनल स्टार स्पोर्ट्स पर चर्चा कर रहे थे. उन्होंने यहां बताया कि दुबे के टीम इंडिया में चयन पर उनका कोई रोल नहीं था. उन्होंने कहा, 'जब मैं 15 चुन रहा था, तो मैं रोहित, बुमराह, शिवम दुबे को और अन्य 12 को चुनता था और मुझे इसकी परवाह नहीं थी कि बाकी कौन होंगे. क्योंकि जब आप फॉर्म की बात कर रहे हैं तो इस आईपीएल में शिवम दुबे जब भी बैटिंग पर उतरे हैं तो उन्होंने लगभग हर बार हम मैच को बदलकर रख दिया है. तो ऐसे में अगर कप्तान और बुमराह के बाद किसी खिलाड़ी को होना था तो वह सबसे शिवम दुबे ही थे. बिशप ने कहा, 'जिस फॉर्म में वह हैं, सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि इससे पहले वह जब भी इंटरनेशनल मैचों पर खेले. अगर वह इस वर्ल्ड कप के पहले ही मैच से प्लेइंग ङ्गढ्ढ में नहीं खेले तो यह भी एक मजाक ही होगा.

टी20 विश्व कप के लिए टी नटराजन को नजरअंदाज किए जाने पर तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम की घोषणा के बाद, तमिलनाडु में लोग लेफ्ट आर्म मीडियम फ़ास्ट बॉलर टी नटराजन को न चुने जाने के विरोध में उतर आए। अनुभवी डीएमके नेता टीआर बालू के बेटे और तमिलनाडु के उद्योग मंत्री टीआरबी राजा ने भी तेज गेंदबाज की अनदेखी के बाद अपना दुख जाहिर किया। राजा ने कहा कि नटराजन को भारतीय टीम में जगह नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है।

राज्य के उद्योग मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह देखकर अच्छा लगा कि इस पर व्यापक रूप से चर्चा हो रही है! लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले तमिलनाडु के एथलीटों को कई बार दिल्ली ने उनकी सही जगह से वंचित कर दिया है! यह अब अधिक बार हो रहा है लेकिन यह शासन से परे है। कई खेलों में दिल्ली इसी तरह से काम करती है दिल्ली ने ज्यादातर समय दक्षिण के कई बेहद प्रतिभाशाली एथलीटों की ओर से आंखें मूंद ली हैं! खेल और विचारधारा से परे कई एथलीट यह जानते हैं! खुशी है कि नटराजन और हमारे अन्य लड़के वास्तव में बेहतर के हकदार हैं। पूर्व भारतीय टेस्ट खिलाड़ी और तमिलनाडु के लिए घरेलू क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में से एक, एस बद्रीनाथ ने भी मंगलवार रात एक स्थानीय तमिल टेलीविजन शो में नटराजन को विश्व कप टीम से बाहर किए जाने पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नटराजन बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे और उन्होंने आईपीएल सीजन में अच्छी संख्या में विकेट हासिल किए थे। उन्होंने कहा, तमिलनाडु के खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल होने के लिए अन्य क्षेत्रों के खिलाड़ियों की तुलना में दोगुना प्रदर्शन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वह खुद भारतीय टीम में इस तरह के भेदभाव का शिकार हो चुके हैं।

मौजूदा आईपीएल सीज़न में, नटराजन ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 7 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। तमिलनाडु के एक रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी ने बात करते हुए नाम न छापने की शर्त पर कहा, नटराजन अपने चरम पर प्रदर्शन कर रहे हैं और वह टीम में चुने गए दो तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह से काफी ऊपर हैं। जबकि सिंह को 11 विकेट मिले हैं। मौजूदा आईपीएल में सिराज के नाम सिर्फ 6 विकेट हैं।

टी20 विश्व कप

न्यूयॉर्क में लाई जा रही हैं 'ड्रॉप इन पिचें

न्यूयॉर्क,एजेंसी। आगामी टी20 विश्व कप के लिये फ्लोरिडा से 'ड्रॉप इन पिचें न्यूयॉर्क लाई जा रही हैं जहां बाकी मैचों के अलावा नौ जून को भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मैच भी होना है। ये ऐसी पिच होती है, जिसे मैदान या वेन्यू से दूर कहीं बनाया जाता है और बाद में स्टेडियम में लाकर बिछा दिया जाता है। फ्लोरिडा में दिसंबर से दस ड्रॉप इन पिचें बनाई जा रही थी। ये पिचें एडीलेड ओवल टर्फ सोल्यूशंस के मार्गदर्शन में बनाई जा रही हैं जिसकी अगुवाई एडीलेड ओवन के मुख्य क्यूरेटर डेमियर हॉग कर रहे हैं। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार चार पिचें नासाउ स्टेडियम में लगाई जाएंगी जबकि छह आसपास अभ्यास परिसर में लगेंगी। टूर्नामेंट के दौरान एडीलेड ओवल टर्फ सोल्यूशंस टीम न्यूयॉर्क में ही रहेगी ताकि पिच के रख रखाव में मदद कर सके।

नडाल ने चौथे दौर में हार के बाद मैड्रिड ओपन से ली विदाई

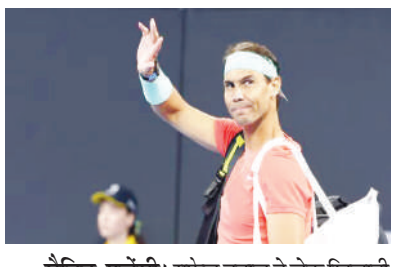

मैड्रिड, एजेंसी। राफेल नडाल ने चेक खिलाड़ी जिरी लेहेका से चौथे दौर में 5-7, 4-6 से हार के बाद मैड्रिड ओपन, एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में प्रशंसकों से विदाई ली, जिसे उन्होंने अपने शानदार करियर के दौरान पांच बार जीता था।

टूर्नामेंट के पांच बार के चैंपियन (2005, 2010, 2013, 2014 और 2017) ने लेहेका के खिलाफ अपनी मैड्रिड ओपन यात्रा का चौथे दौर का मैच दो घंटे और दो मिनट तक चला। एक जीत का मतलब मैड्रिड में स्पैनियार्ड के लिए जीत संख्या 60 होती, लेकिन 2003 में मैड्रिड एरेना में एलेक्स कोरेट्जा के खिलाफ अपने पहले मैच के बाद से उनकी गिनती अब हमेशा 59 जीत और सिर्फ 15 हार पर ही रहेगी। मैच के बाद, भावुक नडाल ने कोर्ट पर एक विशेष प्रस्तुति दी, जिसमें मैड्रिड ने अपने सबसे महान चैंपियन को अलविदा कहा और 2008, 10, 13-14 और 17 में उनके पांच खिताबों को चिह्नित करने वाले बैनर फहराए गए।

एटीपी टूर ने नडाल के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत खास सप्ताह रहा है, कई मायनों में बहुत सकारात्मक, व्यक्तिगत रूप से और मेरे टेनिस के लिए। मुझे फिर से कोर्ट पर खेलने का मौका मिला। कुछ हफ्ते पहले, बार्सिलोना से दो दिन पहले, मुझे नहीं पता था कि मैं फिर से एक आधिकारिक मैच में प्रतिस्पर्धा करूंगा और मैंने अब तक दो सप्ताह तक खेला है, यह अविस्मरणीय है। केवल एक चीज जो मैं कह सकता हूं वह है धन्यवाद। यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है जो तब शुरू हुई जब मैं छोटा था। मैं पहली बार 2003 में मैड्रिड आया था, जब टूर्नामेंट इंडोर खेला गया था। मैं पहली बार प्रतिस्पर्धी महसूस करते हुए 2005 में यहां आया था। यह मेरे करियर की सबसे रोमांचक जीतों में से एक थी।

विश्वनाथ, आकाश, प्रीत एशियन अंडर-22 एवं यूथ बॉक्सिंग के सेमीफाइनल में

अस्ताना (कजाकिस्तान), एजेंसी। भारतीय मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश, आकाश गोरखा और प्रीत मलिक मंगलवार को यहां एशियाई अंडर-22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2024 में शानदार जीत के साथ पुरुषों के अंडर-22 सेमीफाइनल में पहुंच गए। मौजूदा युवा विश्व चैंपियन विश्वनाथ (48 किग्रा) ने भारत के लिए नेतृत्व किया और ईरान के हसनी सैयदरशाम पर हावी होकर एकतरफा मुकाबले में 5-0 से आसान जीत हासिल की। सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन आकाश (60 किग्रा) ने भी इसी तरह का प्रदर्शन करते हुए ईरान के इबादी अरमान को 5-0 के समान स्कोर से हराया। इस बीच, प्रीत (67 किग्रा) को भी वियतनाम के गुयेन डुक एनगोक के खिलाफ पहले दौर में ही रेफरी स्टॉपिंग द कॉन्टेस्ट (आरएससी) के फैसले के साथ मुकाबला खत्म करने में ज्यादा समय नहीं लगा। हालाँकि, कुणाल (75 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में ईरान के महशरी मोहम्मद के खिलाफ 0-5 से हारकर बाहर हो गए। अंडर-22 सेमीफाइनल शनिवार को खेला जाएगा। जुगनू (86 किग्रा), रिदम (+92 किग्रा), तमन्ना (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा) और प्रियंका (60 किग्रा) मंगलवार को अपना अंडर-22 क्वार्टर फाइनल खेलेंगे।

सोमवार देर रात, राहुल कुंडू (75 किग्रा), लक्ष्य राठी (+92 किग्रा), और लक्ष्मी (50 किग्रा), तमन्ना (54 किग्रा), यात्री पटेल (57 किग्रा) और सृष्टि साठे (63 किग्रा) विजयी होकर युवा वर्ग के सेमीफाइनल में पहुंचे। बुधवार को, नौ युवा भारतीय मुक्केबाज आर्यन (51 किग्रा), जतिन (57 किग्रा), यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा), प्रियांशु (71 किग्रा), साहिल (80 किग्रा) और आर्यन (92 किग्रा) पुरुष वर्ग में जबकि महिला वर्ग में निशा (52 किग्रा), आकांशा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। यूथ और अंडर-22 वर्ग का फाइनल क्रमशः 6 और 7 मई को खेला जाएगा।

कयामत से कयामत तक की एक्ट्रेस तृप्ति मिश्रा ने पुनर्जन्म पर जताया विश्वास

शो कयामत से कयामत तक में पूर्णिमा का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस तृप्ति मिश्रा ने पुनर्जन्म की अवधारणा में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए टाइटल के पीछे के गहरे अर्थ को समझाया। तृप्ति का कहना है कि स्टोरी और टाइटल दोनों ही बेहद गहरे अर्थ रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह शो बाकी सभी चीजों से बहुत अलग है, जो आज दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारे शो के टाइटल का अर्थ बेहद गहरा है। सच कहूं तो, यह एक अनोखी कहानी है और मैं पुनर्जन्म में विश्वास करती हूं। यह मेरे लिए बहुत रोमांचक है, और मैं इस प्वाइंट पर सहमत हूं। जिस चीज पर आप विश्वास करते हैं, उस पर काम करने और जिस चीज पर आप विश्वास नहीं करते, उस पर काम करने में अंतर होता है। डबल रोल करने को लेकर तृप्ति ने कहा, मेरे लिए सबसे दिलचस्प बात यह थी कि मैं दो विपरीत किरदार निभा रही हूं, जो बहुत सख्त और बहुत शांत है, फिर भी बहुत मजबूत, बहुत स्वतंत्र, निडर और शक्तिशाली है। मुझे पूर्णिमा का रवैया पसंद आया। उन्होंने आगे बताया कि यह अन्य शो से अलग है क्योंकि पुनर्जन्म की कहानियां बदले और नफरत पर आधारित हैं, लेकिन यह एक प्रेम कहानी है।

हैप्पी पटेल की भूमिका में नहीं होंगे इमरान खान

आमिर खान ने हाल ही में अपने शाहरुख खान और सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने की उत्सुकता जाहिर की थी। अब उन्होंने अपनी आगामी फिल्म हैप्पी पटेल में एक विशेष उपस्थिति का संकेत दिया है और इस फिल्म के साथ इमरान खान के बॉलीवुड में वापसी करने की अफवाहों को खारिज कर दिया है। आमिर खान द्वारा फिल्म में अपने भतीजे इमरान खान को दोबारा लॉन्च करने की पहले की अटकलों के विपरीत नई रिपोर्ट सामने आई है। स्टैंडअप कॉमेडियन वीर दास, जो इस विचित्र कॉमेडी का सह-निर्देशन भी करेंगे, हैप्पी पटेल में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। आमिर ने स्पष्ट करते हुए कहा, हैप्पी पटेल में इमरान नहीं, वीर दास मुख्य भूमिका में हैं। इमरान हैप्पी पटेल में कैमियो कर रहे हैं, हममें से कई लोगों की तरह, जिनमें मैं भी शामिल हूं। यह कैमियो लाल सिंह चड्ढा में अपने आखिरी उद्यम के बाद आमिर खान की सिल्वर स्क्रीन पर वापसी का प्रतीक है।

रामायण में कैकेयी की भूमिका पर लारा ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- कौन इसका हिस्सा नहीं बनना चाहेगा?

इन दिनों फिल्मी गलियारों में अगर किसी चीज की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है तो वह है नितेश तिवारी की रामायण। इसे लेकर रोज नई खबरें आती हैं। नई तस्वीरें जारी होती हैं। अलग-अलग सूत्रों से फिल्म की शूटिंग से लेकर स्टारकास्ट तक के दावे किए जाते हैं। मगर, सही मायनों में अभी तक किसी को अता-पता नहीं कि यह फिल्म कहां बन रही है और कहां इसकी शूटिंग चल रही है। बीते दिनों खबर आई थी कि रामायण में लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभा रही हैं। इसे लेकर अब खुद लारा दत्ता ने प्रतिक्रिया दी है। कहा जा रहा है कि रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। बीते दिनों दोनों का लुक भी वायरल हुआ, हालांकि इसकी पुष्टि कहीं से नहीं हुई। इसके अलावा फिल्म के और भी कई किरदारों को लेकर सितारों के नामों की चर्चा है। इसी कड़ी में रिपोर्ट्स् के आधार पर कहा गया कि लारा दत्ता कैकेयी की भूमिका निभाएंगी। अब लारा ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। रामायण में कैकेयी की भूमिका को लेकर चल रहीं तमाम खबरों को लेकर लारा दत्ता ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कहा, मुझे भी इन अफवाहों के बारे में पढ़ना और सुनना अच्छा लग रहा है। इसलिए कृपया इन्हें जारी रखें। आखिर रामायण का हिस्सा कौन नहीं बनना चाहेगा? लारा दत्ता ने बातचीत में यह भी बताया कि रामायण में वह और कौन से किरदार निभाना पसंद करेंगी। लारा ने हंसते हुए कहा, इसमें ऐसे बहुत से किरदार हैं जिन्हें मैं निभाना पसंद करती अगर यह मुझे ऑफर किया जाता। उन्होंने कहा कि वह शूर्पणखा, मंदोदरी का भी रोल निभाना पसंद करेंगी।

अब लारा दत्ता की तरफ से कही गई इन बातों के बाद हर कोई यह जानने के लिए उत्साहित है कि आखिर वह कौन सा रोल निभा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में चलेंगी तेज हवाएं, चार मई को बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लोगों को इस हफ्ते तेज चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलेगी। पहाड़ों पर होने वाली बर्फबारी राजधानी के लोगों को गर्मी से राहत दिलाएगी। मानक वेधशाला सफदरजंग में मंगलवार को भी अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में लगातार बर्फबारी या बारिश हो रही है। चार मई को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे और रात में हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली की ओर आने वाली हवा भी मुख्यतौर पर उत्तर पश्चिमी या पश्चिमी दिशा से आ रही है। यह हवा अपने साथ वहां की ठंडक भी लेकर आ रही है। सफदरजंग मौसम केन्द्र में मंगलवार को अधिकतम तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो कि सामान्य से तीन डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस मौसम के औसत तापमान से दो डिग्री कम है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 57 से 18 फीसदी तक रहा। बुधवार को भी दिल्ली में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अप्रैल में 23 दिनों में 200 से कम था, जो 2020 को छोड़कर जब कोविड की वजह से लॉकडाउन लगा था, पिछले छह साल में साफ हवा वाले दिनों की सबसे ज्यादा संख्या है। यह जानकारी मंगलवार को कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) ने दी। सीएक्यूएम ने 2018 के बाद से जो डाटा शेयर किया है उससे पता चलता है कि दिल्ली में इस साल इस महीने में 23 ऐसे दिन दर्ज किए गए जब हवा साफ थी। पिछले साल अप्रैल में ऐसे 17 दिन, 2022 में शून्य, 2021 में 18, 2020 में 30, 2019 में 12 और 2018 में आठ दिन रिकॉर्ड किए गए। सीएक्यूएम ने एक बयान में कहा, 'वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग और विभिन्न स्टेक होल्डर्स द्वारा लगातार, व्यापक और ठोस प्रयासों के साथ-साथ अनुकूल मौसम संबंधी परिस्थितियों के परिणामस्वरूप, दिल्ली में अप्रैल 2024 में अच्छी श्रेणी से मध्यम श्रेणी के वायु गुणवत्ता वाले दिनों की अधिकतम संख्या दर्ज की गई।'

एम्स में नर्सिंग की छात्रा ने दे दी अपनी जान, सुसाइड नोट में क्या लिखा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्थित एम्स में नर्सिंग की एक छात्रा के सुसाइड करने का मामला प्रकाश में आया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि एम्स के गर्ल्स हॉस्टल में यह छात्रा रहती थी और नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी।बीएससी नर्सिंग की छात्रा के द्वारा अचानक सुसाइड कर लेने से हड़कंप मच गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है और एक सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस इस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक छात्रा बिहार के शेखपुरा जिले की रहने वाली थी। यह लड़की बीएससी नर्सिंग में द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। जानकारी के मुताबिक, इस छात्रा ने अपने हॉस्टल के कमरे में पंखे से लटक कर जान दे दी है। इस बात की जानकारी लगने के बाद अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया। आननफानन में स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने लड़की के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए भेजा है। बताया जा रहा है कि छात्रा द्वारा आत्मघाती कदम उठाए जाने के बाद पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। इस सुसाइड नोट में लड़की ने पढ़ाई से परेशान होकर अपनी जीवन लीला खत्म करने की बात कही है। हालांकि, अभी पुलिस हर एंगल से इस मौत की जांच-पड़ताल कर रही है। यहां आपको याद दिला दें कि इससे पहले फरवरी के महीने में दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की एक छात्रा का शव उसके हॉस्टल के कमरे में मिला था। हालांकि, उस छात्रा के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ था।

निजी स्कूल तीसरी संतान को सिब्लिंग का लाभ नहीं दे सकते, नर्सरी दाखिले पर दिल्ली हाईकोर्ट का अहम निर्णय

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने नर्सरी दाखिले को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। कोर्ट ने कहा है कि निजी स्कूल में दाखिले के लिए तीसरे बच्चे को सिब्लिंग (एक ही स्कूल में पहले से पढ़ रहे भाई-बहन) का लाभ नहीं दिया जा सकता। जस्टिस सी हरिशंकर की बेंच ने निजी स्कूल के पक्ष में फैसला सुनाया है। बेंच ने उन अभिभावक की याचिका खारिज कर दी है जिनकी दलील थी कि उनके दो बच्चे पहले ही प्रतिवादी निजी स्कूल में पढ़ रहे हैं, लेकिन उनके तीसरे बच्चे को उसके बड़े भाई-बहन के आधार पर दाखिले के लिए 20 नंबर नहीं दिए गए हैं।

बेंच ने कहा कि शिक्षा के अधिकार कानून के तहत एक भाई या बहन के पहले से संबंधित स्कूल में पढ़ने के लिए 20 अंक अतिरिक्त दिए जाते हैं, लेकिन तीसरे बच्चे के दाखिले पर यह नियम लागू नहीं होता है।

वहीं, बेंच ने निजी स्कूल के वकील अतुल जैन द्वारा पेश शिक्षा निदेशालय के सर्कुलर पर गौर किया। इस सर्कुलर में तीसरे बच्चे को सिब्लिंग का लाभ नहीं देने का जिक्र किया गया है। इस मामले में एक पेंच यह भी आया कि बच्चे के परिजनों ने

संबंधित स्कूल में दो फार्म भरे। दोनों पर घर का पता एक था, लेकिन दोनों में स्कूल से घर को लेकर अलग-अलग दूरी भरी गई। हाईकोर्ट के समक्ष यह तथ्य सामने आने पर परिजन कटघरे में आ गए।

बच्चे के परिजनों का कहना था कि उन्हें स्कूल से दूरी को लेकर 65 अंक दिए गए हैं, लेकिन यदि सिब्लिंग लाभ के तौर पर 20 अंक और मिल जाते तो उनके तीनों बच्चे एक ही स्कूल में पढ़ सकते थे। स्कूल ने तीसरे बच्चे का दाखिला फॉर्म रद्द कर दिया है।

बेंच ने माना कि याचिकाकर्ता अभिभावक ऐसा कोई नियम-कानून या शिक्षा निदेशालय का सर्कुलर पेश करने में असफल रहा है, जिससे यह साबित होता हो कि तीसरे बच्चे को सिब्लिंग का लाभ ना देने में गलती की गई है।

स्कूल ऑफ एक्सीलेंस पर नियम लागू होता है: अपनी तीसरी संतान को निजी स्कूल में नर्सरी में दाखिले के लिए हाईकोर्ट पहुंचे परिजनों का कहना था कि दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने 26 फरवरी 2020 को एक सर्कुलर जारी किया था, जिसके आधार पर तीसरे बच्चे को सहोदर (सिब्लिंग) को अतिरिक्त 20 अंक देने का प्रावधान था। इसका विरोध करते हुए निजी स्कूल के वकील अतुल जैन ने इस सर्कुलर का विस्तृत उल्लेख करते हुए कहा कि यह सर्कुलर दिल्ली सरकार के स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के लिए जारी किया गया था।

फीस बढ़ाने वाले स्कूलों की होगी जांच, विजिलेंस का शिक्षा निदेशक को लेटर; मांगा जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी।
सतर्कता (विजिलेंस) निदेशालय ने मंगलवार को 18 स्कूलों और पांच प्राइवेट, गैर सहायता प्राप्त संस्थानों में फीस वृद्धि में विसंगतियों और कुछ स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बच्चों का 25 प्रतिशत कोटा भरने में असफल रहने पर शिक्षा निदेशक को एक पत्र लिखा। सतर्कता जांच में इस बात को हाइलाइट किया गया है कि बने बनाए नियमों का उल्लंघन करते हुए फीस बढ़ोतरी की अनुमति दी गई थी।

18 स्कूलों के फीस बढ़ोतरी के आदेशों में से 13 में पूर्वव्यापी (रेस्ट्रोस्पेक्टिव) फीस वृद्धि शामिल थी, जिससे अभिभावकों पर अनुचित वित्तीय दबाव पड़ा। सतर्कता विभाग ने बताया, 'नियमों में पूर्वव्यापी बढ़ोतरी का कोई प्रावधान नहीं है। इस तरह की बढ़ोतरी से पता चलता है कि स्कूल मैनेजमेंट जानबूझकर माता-पिता पर बोझ बढ़ाकर खुद को समृद्ध करना चाहता है।' जांच में यह भी पता चला है कि स्कूलों ने इन फंड्स का उपयोग दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम और नियम, 1973 में उल्लिखित नियमों के विपरीत किया। डीओई ने पहले 2010-2011 के बाद से फीस स्ट्रक्चर के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। सर्कुलर में डीओई ने कहा था, 'अगर स्कूल को अभी भी ट्यूशन फीस में बढ़ोतरी करना जरूरी लगता है, तो उसे सबसे पहले स्कूल सिस्टम के प्रमुख स्टेकहोल्डर्स यानी अभिभावकों को विश्वास में लेना होगा। चूंकि अभिभावकों को फीस में बढ़ोतरी का वित्तीय बोझ उठाना पड़ता है, इसलिए यह जरूरी है कि स्कूल चयनित माता-पिता-शिक्षक संघ की समिति के सामने डिटेल में फाइनेंशियल स्टेटमेंट के साथ फीस वृद्धि के लिए अपना केस पेश करे और मैनेजिंग कमेटी का अप्रूवल मिलने से पहले प्रस्तावित बढ़ोतरी पर उनकी सहमति प्राप्त करे।' स्कूलों में ज्यादातर फीस बढ़ोतरी आदेश की तारीख 14 दिसंबर, 2023 हैं। शिक्षा विभाग से अनुरोध किया गया है कि वह 2019-2024 के विभिन्न सत्रों के लिए फीस बढ़ोतरी के मामलों का एक सारणीबद्ध विवरण प्रस्तुत करे और स्पष्ट करें कि नियमों के बार-बार उल्लंघन के बावजूद बढ़ोतरी को मंजूरी क्यों दी गई। ईडब्ल्यूएस एडमिशन की भी जांच होगी। डीओई सर्कुलर में कहा गया है कि जिला शिक्षा उप निदेशक ईडब्ल्यूएस प्रवेश प्रक्रिया के दौरान पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के रूप में काम करने के लिए वाइस प्रिंसिपल के पद से नीचे के अधिकारी को नामित नहीं करेगा।

नूंह से लॉरेंस और गोदारा गैंग के दो बदमाश अरेस्ट, दिल्ली पुलिस और एसटीएफ से हुई मुठभेड़

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस और एसटीएफ गुरुग्राम की संयुक्त टीम ने सोमवार रात नूंह से लॉरेंस बिश्नोई-रोहित गोदारा गिरोह के दो शूटर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। दोनों गुरुग्राम के स्क्रैप कारोबारी सचिन गोदा की हत्या मामले में फरार थे। बदमाशों और पुलिस के बीच हुई करीब 25 राउंड फायरिंग में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। आरोपियों ने 29 फरवरी की देर रात कारोबारी की रोहतक के लाखना माजरा में उनके परिवार के सामने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने घायल आरोपियों को नूंह के मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवा दिया है। आरोपियों में से एक की पहचान गुरुग्राम के महावीरपुरा निवासी विशाल उर्फ कालू के रूप में हुई है। दूसरे आरोपी की पहचान दिल्ली के नजफगढ़ के अंतर्गत बडु सराय निवासी रवि कुमार के रूप में हुई है। दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम को मुखबिर और एसटीएफ को सूचना मिली थी कि गुरुग्राम के स्क्रैप कारोबारी हत्याकांड में फरार चल रहे दो शूटर नूंह में देखे गए हैं। इंस्पेक्टर निशांत और मंजीत जागलान ने एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) हरियाणा की सेंट्रल यूनिट के साथ बैठक की। 29 अप्रैल की रात को दिल्ली पुलिस और एसटीएफ की टीम बदमाशों की तलाश में तावडू-नूंह रोड पर पल्ला पहाड़ी के पास पहुंच गई।

मनीष सिसोदिया की जमानत अर्जी एक साल में 7 बार खारिज

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत की अर्जी मंगलवार को एक बार फिर खारिज कर दी। कथित शराब घोटाला मामले में आरोपी सिसोदिया की जमानत अर्जी एक साल में अब तक सात बार खारिज हो चुकी है। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले को लेकर भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की थीं।

26 फरवरी 2023 को सीबीआई कार्यालय से गिरफ्तारी के बाद से लगातार सिसोदिया न्यायिक हिरासत में हैं। इस दौरान उन्होंने ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिकाएं लगाईं, लेकिन कहीं से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिल सकी है। जो उपलब्ध नहीं, वह ष्टरूपद पर भी न रहे, यही राष्टहित; हाईकोर्ट की केजरीवाल को नसीहत सीबीआई और ईडी के मामलों की स्पेशल जल कावेरी बावेजा ने मंगलवार को सिसोदिया को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि यह समय जमानत देने के लिए सही नहीं है। अदालत ने सीबीआई, ईडी

और सिसोदिया का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सिसोदिया की जमानत अर्जी पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। वहीं, आम आदमी पार्टी ने कहा कि वह अधीनस्थ अदालत द्वारा सिसोदिया की जमानत अर्जी खारिज करने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख करेगी।

सीबीआई ने 26 फरवरी 2023 को पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शराब घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद 28 फरवरी 2023 को सिसोदिया ने दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, ईडी ने 9 मार्च, 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया। इसके बाद सिसोदिया ने 31 मार्च 2023, 28 अप्रैल 2023, 3 मई 2023, 30 मई 2023, 3 जुलाई 2023, 30 अक्टूबर 2023, 14 मार्च 2024 को जमानत अर्जी लगाई थीं, लेकिन कई जगह से उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से केजरीवाल की गिरफ्तारी से जुड़े इन 5 सवालों के जवाब मांगे: सीबीआई के साथ-साथ ईडी ने भी आरोप लगाया था कि दिल्ली शराब नीति में बदलाव करते समय अनियमितताएं की गईं, लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस फीस माफ कर दी गई या कम कर दी गई और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस बढ़ा दिए गए। जांच एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि लाभार्थियों ने कथित तौर पर अवैध लाभ को आरोपी अधिकारियों तक पहुंचाया और जांच से बचने के लिए अपनी अकाउंट बुक्स में गलत एंट्रियां कीं।

लंदन में तलवार लहराने वाला आदमी हुआ आपे से बाहर

लंदन, एजेंसी। पूर्वी लंदन में मंगलवार को एक तलवारधारी व्यक्ति ने कई लोगों पर हमला कर दिया, जिससे 14 वर्षीय एक किशोर की मौत हो गई और दो पुलिस अधिकारियों सहित चार अन्य घायल हो गए, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कहा कि 36 वर्षीय हमलावर का पीछा किया गया और उसे पकड़ लिया गया। जानलेवा हमले की जांच की जा रही है, लेकिन यह आतंकवादी करतूत नहीं लगता। तलवार से हमले की घटना से पहले पुलिस को सुबह 7 बजे (बीएसटी) के आसपास हैनॉल्ट ट्यूब स्टेशन के पास थुरलो गार्डन के एक घर में एक वाहन घुसाए जाने की रिपोर्ट मिली। पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो के अनुसार, तलवार लहराते हुए व्यक्ति को लोगों के घरों की ओर आते देखा गया और बाद में पुलिस ने लोगों के बगीचों में उसका पीछा किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने एक व्यक्ति को विशाल तलवार पकड़े हुए देखने और चीखें सुनने का वर्णन किया है।पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में युवक की मौत हो गई और अन्य का इलाज किया जा रहा है। मेट पुलिस के मुख्य अधीक्षक स्टुअर्ट बेल ने संवाददाताओं से कहा कि जनता के लिए कोई खतरा नहीं है और पुलिस किसी अन्य संदिग्ध की तलाश नहीं कर रही है। लंदन के मेयर सादिक खान ने इस घटना को विनाशकारी और भयानक बताया। मुझे यकीन है कि जब मैं कहता हूं कि हमारी संवेदनाएं इस छोटे बच्चे और उसके परिवार के साथ हैं तो मैं पूरे शहर के लिए बोलता हूं।

कंपनी के लिए हनीमून पोस्टपोन किया उसने नौकरी से निकाला, आखिरी दिन गुडबाय करने पहुंचे ग्राहक, फूल और चॉकलेट लाए

लंदन , एजेंसी। 68 साल तक रोज यहां आईं. यहां नौकरी से जुड़े एक ट्रेनिंग कोर्स में शामिल होने के लिए उन्होंने 1969 में अपना हनीमून तक पोस्टपोन कर दिया। 1975 में बेटा पैदा हुआ तो उसे भी दुकान के फर्श पर पाला, लेकिन इस हफ्ते जिल के साथ जो हुआ उसकी उन्होंने कभी उम्मीद नहीं की थी। कंपनी ने उसे दो दिन का नोटिस देकर नौकरी से निकाल दिया। यह कहना है एक महिला का।

रिपोर्ट के मुताबिक जिल कॉर्निक नामक महिला ब्रांड के जूतों की दुकान में काम करती थीं. जो ब्रिटेन में काफी फेमस है। उन्होंने साल 1956 में जब स्टोर के लिए काम करना शुरू किया, तब वो महज 14 साल की थीं। जिल का कहना है कि वो जिस कंपनी के लिए बीते 68 साल से काम कर रही थी। वहां से उसे दो दिन का नोटिस देकर निकाल दिया। उसे करीब सात दशक एक ही जगह काम करते हो गए। पूरी उम्र इसी कंपनी के नाम लिख दी थी, लेकिन उसका नतीजा सही नहीं निकला। एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोर की तरफ से कहा गया कि वो इसे तुरंत बंद कर रहे हैं। दुकान के आखिरी दिन बड़ी संख्या में ग्राहक गुडबाय करने पहुंचे थे। लोगों ने जिल को इतने साल तक उनकी सेवा करने के लिए फूल और चॉकलेट्स गिफ्ट किए। जिल कहती हैं कि उन्हें बीते गुरुवार को बताया कि सोमवार से स्टोर बंद हो रहा है। इससे हम सभी काम करने वालों को झटका लगा। ये सचमुच शर्म की बात है। सोमवार को मेरे पास बहुत सारे लोग फूल और चॉकलेट लेकर आए। मैंने पिछले कुछ वर्षों में बहुत से ग्राहकों की मदद की है और कुछ लोग लगभग रो पड़े थे।

कुछ मामलों में मैंने एक ही परिवार की चार पीढ़ियों को उनके जूतों का साइज तय करने में मदद की। मुझे लगता है कि अब मैं आराम करूंगी और समुद्र तट पर ज्यादा वक्त गुजारुगी। मैं नौकरी के लिए अब ट्रैवल नहीं करूंगी। जिल कहती है कि वह चैरिटी का काम या कुछ और करेंगी। 82 साल की जिल के पति डेविड की 2016 में मौत हो गई थी।

पोर्न स्टार मामले में दोषी पाए गए ट्रंप, जज बोले- तुमको जेल भेज देंगे

जुर्माना भी लगाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्टपति राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप अदालत की अवमानना के दोषी पाए गए हैं। उन कई हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। साथ ही कोर्ट ने उन्हें जेल भेजने की भी चेतावनी दी है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यायाधीश ने गुप्त रूप से धन देने के मामले में प्रतिबंध आदेश का उल्लंघन करने के लिए ट्रंप को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया और उनपर 9,000 डॉलर (7.5 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया। न्यायाधीश ने डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी कि यदि वह गुप्त रूप से धन देने के मामले में प्रतिबंध आदेश का उल्लंघन करना जारी रखेंगे तो उन्हें जेल भेज दिया जाएगा।

अदालत ने ट्रंप को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल से अपने रिश्तों को लेकर गुप्त रूप से धन देने के मामले से जुड़े गवाहों, जूरी सदस्यों और कुछ अन्य लोगों के बारे में सार्वजनिक बयान देने से रोक दिया था। न्यायाधीश ने ट्रंप को चेतावनी दी कि यदि वह दोबारा ऐसा करते हैं, तो उन्हें जेल की सजा हो सकती है। अभियोजकों ने मामले में ट्रंप पर 10 उल्लंघनों का आरोप लगाया था, लेकिन न्यूयॉर्क के न्यायाधीश जुआन एम मर्चन ने नौ उल्लंघन के मामले में उन्हें दोषी ठहराया। यह फैसला पूर्व राष्टपति के लिए झटका है, जिन्होंने जोर दिया था कि वह अपने स्वतंत्र भाषण अधिकारों का प्रयोग कर रहे थे।

न्यायाधीश मर्चन ने आदेश में लिखा कि ट्रंप को ''चेतावनी दी गई है कि अदालत अपने आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन किये जाने को बर्दाश्त नहीं करेगी

और यदि आवश्यक हुआ तो वह उन्हें जेल की सजा देगी।'' मामले में गवाही के दूसरे सप्ताह की शुरुआत में यह फैसला आया है। मैनहट्टन के अभियोजकों का कहना है कि ट्रंप और उनके सहयोगी 2016 में अपने बारे में नकारात्मक खबरों को रोकने की अवैध योजना में शामिल थे। मामले में ट्रंप ने खुद को बेकसूर बताया है। न्यायाधीश ने फैसले में कहा कि ट्रंप को शुक्रवार तक जुर्माना भरना होगा। अदालत ने कहा कि ट्रंप को अपने 'ट्रुथ' सोशल अकाउंट से सात आपत्तिजनक पोस्ट और राष्टपति चुनाव के लिए अपनी प्रचार अभियान वेबसाइट से दो पोस्ट मंगलवार दोपहर तक हटानी होंगी। न्यायाधीश प्रतिबंध के उल्लंघन के अन्य मामलों पर भी विचार कर रहे हैं और बृहस्पतिवार को दलीलें सुनेंगे।

अदालत ने मंगलवार को बैंकर गैरी फारो समेत अन्य के मामले की सुनवाई की, जिन्होंने ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन को बैंक में खाते खोलने में मदद की थी। इसमें एक वह खाता भी शामिल था जिसका इस्तेमाल कोहेन ने पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को चुप रखने के लिए धन देने में किया था। डेनियल ने ट्रंप पर 2006 में यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने आरोपों से इनकार किया था।

अमेरिका की शिक्षिका भूली मर्यादा, चर्च में मिले 15 साल के बच्चे का किया यौन शोषण; गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। गुरु-शिष्य का रिश्ता बड़ा ही पवित्र होता है। ऐसे में अमेरिका इस रिश्ते को तार तार करने की चौकाने वाली खबर सामने आ रही है। यहां एक शिक्षिका ने सारी हदें पार कर दीं। उसे अरकंसास चर्च से एक किशोर का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बता दें, 26 वर्षीय रीगन ग्रे को इस महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था, जब यह स्पष्ट हो गया था कि वह लिटिल रॉक इमैनुएल बैपटिस्ट चर्च में स्वयंसेवा करते हुए 2020 से 15 वर्षीय लड़के के साथ दुर्व्यवहार कर रही थी।

माता-पिता ने फोन पर देखे मैसेज अदालती दस्तावेजों के अनुसार, लड़के के माता-पिता ने फोन पर शिक्षिका के कई सारे मैसेज देखने के बाद चर्च के पादरी से शिकायत की थी। जांच करने पर सामने आया कि उसने किशोर को नग्न तस्वीरें भेजी थीं। पूछताछ के समय लिटिल रॉक क्रिश्चियन अकादमी में काम करने वाली शिक्षिका ने बताया कि उसके संबंध शारीरिक नहीं थे। हालांकि, फिर भी चर्च अधिकारियों ने उसे स्वयंसेवक भूमिका से निलंबित कर दिया। इस साल फरवरी में जांच में सामने आया कि 26 वर्षीय महिला स्नैपचैट पर 15 वर्षीय लड़के को मैसेज कर रही थी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्पलेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।